सांध्य दैनिक
4PM
जिद...सच की
www.4pm.co.in www.facebook.com/4pmnewsnetwork @Editor_Sanjay YouTube @4pm NEWS NETWORK
● वर्ष: 8 ● अंक: 284 ● पृष्ठ: 8 ● लखनऊ, शुक्रवार, 25 नवम्बर, 2022
मूल्य ₹ 3/-

गलतियां हमेशा क्षमा की जा सकती हैं , यदि आपके पास उन्हें स्वीकारने का साहस हो।

-बुशली

मनोज पर एफआईआर दर्ज कराएंगे... 8 | यूपी निकाय चुनाव में 4.27 करोड़... 3 | राजस्थान में कांग्रेस की राजनीति नई... 7

कानून व्यवस्था को लेकर सख्त योगी सरकार

गाजियाबाद, प्रयागराज और आगरा में भी अब कमिश्नरेट सिस्टम

» नया सिस्टम लागू होने से जिलों में होगी आईजी रैंक के अधिकारी की नियुक्ति

» कमिश्नर के पास होगा लाठी चार्ज और गोली चलाने का आदेश देने के अधिकार

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। उत्तर प्रदेश में कानून व्यवस्था की स्थिति में सुधार के लिए योगी सरकार लगातार काम कर रही है। अपराध पर लगाम लगाने के लिए योगी सरकार की ओर से कई अहम निर्णय पिछले दिनों लिए गए हैं। इसी क्रम में अब तीन नए कमिश्नरेट सिस्टम को लागू करने पर मंजूरी प्रदान की गई है। योगी सरकार की ओर से गाजियाबाद के अलावा प्रयागराज और आगरा में नया कमिश्नरेट सिस्टम लागू करने का निर्णय लिया गया है।

सीएम योगी आदित्यनाथ की अध्यक्षता में हुई कैबिनेट की बैठक में आज इस प्रस्ताव को हरी झंडी दे दी गई। योगी सरकार के इस फैसले से शहरों में कानून व्यवस्था और विधि व्यवस्था की स्थिति को बनाए रखने में कामयाबी मिलेगी। योगी सरकार की ओर से तेजी से विकसित हो रहे शहरों में कमिश्नरेट सिस्टम लागू किया जा रहा है। उत्तर प्रदेश में अभी चार पुलिस कमिश्नरेट कार्य कर रहे हैं। इसमें लखनऊ, वाराणसी, गौतमबुद्धनगर और कानपुर शामिल हैं। तीन नए कमिश्नरेट गाजियाबाद, प्रयागराज और आगरा बनने के बाद इसकी संख्या सात हो जाएगी। मेरठ व गोरखपुर में भी कमिश्नरेट सिस्टम लागू किए जाने की चर्चा चल रही है। हालांकि अभी इस संबंध में निर्णय नहीं हुआ है। आज की कैबिनेट बैठक में 17 प्रस्तावों को हरी झंडी दी गई।

सबसे पहले नोएडा और लखनऊ में लागू हुई थी कमिश्नर प्रणाली

13 जनवरी 2020 को यूपी में सबसे पहले लखनऊ और नोएडा में पुलिस कमिश्नर प्रणाली लागू हुई थी। लखनऊ में सुजीत पांडे और नोएडा में आलोक सिंह को पहला पुलिस कमिश्नर बनाया गया था। इसके बाद 26 मार्च 2021 को दूसरे चरण में कानपुर और वाराणसी में यह सिस्टम लागू किया गया। कानपुर में विजय सिंह मीणा और वाराणसी में ए सतीश गणेश पुलिस कमिश्नर बनाए गए थे। अब योगी सरकार ने तीसरे चरण में तीन और शहरों में यह प्रणाली लागू करने का फैसला किया।

कमिश्नरेट सिस्टम से क्या बदलेगी व्यवस्था

कमिश्नरेट सिस्टम लागू होने के बाद तीनों कमिश्नरेट में एडीजी रैंक के पुलिस अधिकारियों की तैनाती की जाएगी। आईजी रैंक के अधिकारी जॉइंट कमिश्नर बन पाएंगे। इससे जिले के कानून व्यवस्था और विधि व्यवस्था की समीक्षा का कार्य तेजी से हो सकेगा। कानून व्यवस्था को बेहतर बनाने के लिए जिलों को कई जोन में बांटा जाएगा। कमिश्नरेट सिस्टम लागू होने के बाद पुलिसिंग के रैंक में भी बदलाव हो जाएगा। थानों को लेकर सीओ की तैनाती के स्थान पर एसीपी की तैनाती की जाएगी। उनके अधिकार अधिक होंगे। इससे किसी भी केस के अनुसंधान में वे अपने स्तर पर निर्णय ले पाएंगे।

बिना अनुमति इस्तेमाल नहीं होंगे अमिताभ के फोटो और आवाज

» दिल्ली हाईकोर्ट ने अमिताभ बच्चन को दी राहत

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। अभिनय की दुनिया के बेताज बादशाह अमिताभ बच्चन को दिल्ली हाईकोर्ट से बड़ी राहत मिली है। कोर्ट ने बॉलीवुड स्टार अमिताभ बच्चन को बड़ी राहत देते हुए एक अंतरिम निषेधाज्ञा पारित कर दी है। इसके मुताबिक अमिताभ बच्चन की अनुमति के बिना उनकी तस्वीर और आवाज का उपयोग नहीं किया जा सकता है।

अदालत ने अपने आदेश के माध्यम से बड़े पैमाने पर व्यक्तियों को अभिनेता के व्यक्तित्व अधिकारों का उल्लंघन करने से रोक दिया। हाई कोर्ट में दायर याचिका में अपने नाम, छवि, आवाज और व्यक्तित्व विशेषताओं की सुरक्षा की मांग करते हुए महानायक अमिताभ बच्चन ने चिंता भी जताई थी। कोर्ट में एक्टर की ओर से जाने-माने वकील हरीश साल्वे ने पक्ष रखा था। दिल्ली हाई कोर्ट में दायर याचिका पर न्यायमूर्ति नवीन चावला की पीठ सुनवाई करेगी। इसकी तारीख का ऐलान जल्द ही किया जा सकता है। बता दें कि बॉलीवुड के शहंशाह अमिताभ बच्चन अपनी आवाज के इस्तेमाल को लेकर पहले भी अपनी चिंता जाहिर कर चुके हैं। मामला हाई कोर्ट के न्यायमूर्ति नवीन चावला के समक्ष चल रहा है।

डेंगू मरीजों को तत्काल इलाज मिले लापरवाही न बरतें डॉक्टर : पाठक

» अस्पतालों में न होने पाए दिल, शुगर व बीपी की दवाओं की कमी

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। राजधानी सहित प्रदेश के कई शहरों में डेंगू के मामले लगातार बढ़ रहे हैं। इसे देखते हुए उप मुख्यमंत्री बृजेश पाठक ने सख्त लहजे में कहा कि डेंगू मरीजों को तत्काल सुविधा मुहैया कराई जाए। अस्पताल में डेंगू मरीजों के प्रति दोस्ताना व्यवहार किया जाए। इलाज करने में भी लापरवाही न बरते। शिकायत मिलने पर दोषी डॉक्टर के विरूद्ध सख्त कार्रवाई होगी।

पाठक ने आगे कहा कि दिल, शुगर और ब्लड प्रेशर की दवाएं हर अस्पताल में अनिवार्य रूप से रखी जाएं। उन्होंने सभी सीएमओ व सीएमएस को निर्देश दिए कि वे खुद स्टोर की जांच करें और दवाओं की उपलब्धता सुनिश्चित करें।

दवाओं को एक्सपायर होने से बचाएं

पाठक ने निर्देश दिए कि दवा खरीदते समय उसकी एक्सपायरी तिथि का भी ध्यान रखें। दवाओं की एक्सपायर डेट एक से दो साल की होनी चाहिए। यदि जिन अस्पतालों में दवाओं की एक्सपायरी डेट नजदीक है तो उसे दूसरे जरूरतमंद अस्पताल को भेज सकते हैं। ताकि दवाओं को खराब होने से बचाया जा सके।

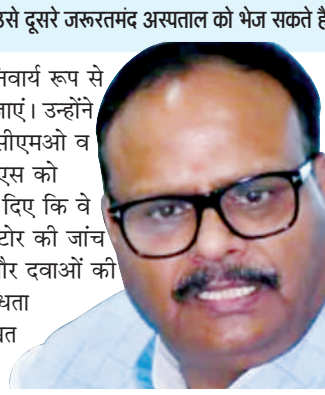

दवाओं की कमी पर तत्काल उत्तर प्रदेश मेडिकल सप्लाई कॉरपोरेशन और विभागीय अफसरों को रिपोर्ट भेजें। उन्होंने वायरल, डेंगू, चिकनगुनिया समेत दूसरे बुखारों से निपटने के लिए डॉक्टर की टीमों को 24 घंटे मुस्तैद रहने को कहा। ओपीडी व भर्ती मरीजों को अस्पताल से ही दवाएं उपलब्ध कराएं।

शीतकालीन सत्र में अनुपूरक बजट समेत दो विधेयकों को पारित कराने की तैयारी

» तीन दिन चलेगा विधानमंडल का शीतकालीन सत्र

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। पांच दिसंबर से शुरू होने जा रहे विधानमंडल के शीतकालीन सत्र में सरकार इस वित्तीय वर्ष के लिए अनुपूरक बजट प्रस्तुत करने के साथ दो अध्यादेशों के प्रतिस्थानी विधेयक समेत कुछ अन्य विधेयकों को भी पारित कराएगी। विधान परिषद और विधानसभा सचिवालयों ने अपने सदस्यों को सत्र के बारे में तिथिवार कार्यक्रम भेज दिया है। विधानमंडल का शीतकालीन सत्र पांच से सात दिसंबर तक चलेगा। शीतकालीन सत्र के पहले दिन सरकार दोपहर 12.20 बजे दोनों सदनों में वित्तीय वर्ष 2022-23 के लिए अनुपूरक बजट पेश करेगी।

सूत्रों के अनुसार पहले दिन विधायी कार्य भी होंगे। छह दिसंबर को अनुपूरक बजट पर चर्चा के बाद इसे पारित कराया जाएगा। सरकार बीते दिनों लागू किये गए उत्तर प्रदेश क्षेत्र पंचायत तथा जिला पंचायत (संशोधन) अध्यादेश, 2022 का प्रतिस्थानी विधेयक शीतकालीन सत्र में पारित कराएगी। इस अध्यादेश में यह व्यवस्था की गई है कि क्षेत्र व जिला पंचायत अध्यक्षों के खिलाफ अविश्वास प्रस्ताव उनके पदभार ग्रहण करने की तारीख से कम से कम दो साल बाद ही लाया जा सकता है। पहले यह एक वर्ष था।

पंचायत (संशोधन) का प्रतिस्थानी विधेयक लाएगी सरकार

यह भी व्यवस्था की गई है कि अविश्वास प्रस्ताव साधारण के बजाय दो-तिहाई बहुमत से पारित होना चाहिए। अध्यादेश के जरिए एक और बदलाव यह किया गया है कि क्षेत्र व जिला पंचायत अध्यक्ष के खिलाफ अविश्वास प्रस्ताव गिरने पर यह दोबारा एक वर्ष बाद ही लाया जा सकता है। सत्र के दौरान सरकार इंटरमीडिएट शिक्षा (द्वितीय संशोधन) अध्यादेश, 2022 का प्रतिस्थानी विधेयक भी पारित कराएगी। सत्र के अंतिम दिन भी विधायी कार्य होंगे।

केंद्र की फ्लैगशिप योजनाओं पर फोकस करें: सीएम धामी

» सीएम धामी बोले- मील का पत्थर साबित होगा चिंतन शिविर से निकला अमृत

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। लाल बहादुर शास्त्री राष्ट्रीय प्रशासन अकादमी में आयोजित चिंतन शिविर में दूरस्थ गांवों के विकास समेत कई अहम मुद्दों पर चर्चा की गई। इसमें गांवों के विकास समेत सरलीकरण, समाधान और निस्तारण पर जोर दिया गया। यह जानकारी मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने दी। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री की परिकल्पना के अनुसार प्रदेश में एक कार्य व्यवहार, कार्य संस्कृति को विकसित किया जाएगा। उन्होंने कहा कि तीन दिनों तक चले चिंतन शिविर से जो अमृत निकला वो आने वाले दिनों में मील का पत्थर साबित होगा। कहा कि सभी विभाग पांच से 10 साल के रोडमैप पर मिलकर काम करेंगे। सरकार आने वाले समय में स्वच्छता पर विशेष ध्यान देगी और समाज के अंतिम छोर में खड़े व्यक्ति तक सरकार पहुंचे इसके लिए काम किया जाएगा।

सीएम ने कहा कि सभी मंत्री, अधिकारी गांवों में ग्राम चौपालों का आयोजन कर लोगों की समस्याओं को सुनेंगे। साथ ही राज्य में बहुउद्देशीय शिविर लगाए जाएंगे। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने मसूरी में आयोजित चिंतन शिविर के अंतिम दिन की शुरुआत योग के साथ की। प्रदेश सरकार का मसूरी स्थित लाल बहादुर शास्त्री राष्ट्रीय प्रशासनिक अकादमी में आयोजित तीन दिवसीय चिंतन शिविर संपन्न हो गया। समापन समारोह में मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने कहा कि चिंतन शिविर सशक्त उत्तराखंड को साकार करेगा।

जगदानंद सिंह बने रहेंगे आरजेडी के प्रदेश अध्यक्ष

» दिल्ली में लालू यादव ने दूर की नाराजगी

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

पटना। आरजेडी के प्रदेश अध्यक्ष के पद पर जगदानंद सिंह बने रहेंगे। ऐसी खबर थी कि जगदानंद सिंह नाराज चल रहे हैं लेकिन अब खबर आई है कि आरजेडी सुप्रीमो लालू प्रसाद यादव ने उनकी सारी नाराजगी दूर कर दी है। इस बात पर मुहर भी लगा दी है कि जगदानंद सिंह ही पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष के पद पर अभी बने रहेंगे। जगदानंद सिंह और अब्दुल बारी सिद्दीकी से बातचीत के बाद आरजेडी सुप्रीमो ने अपने निर्णय से दोनों का वाकिफ करा दिया। लालू ने दोनों को दिल्ली बुलाया था।

तीनों नेताओं की बैठक हुई जिसमें यह निर्णय लिया गया कि जगदानंद सिंह ही अभी कमान संभालेंगे। यहां बता दें कि मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार ऐसी चर्चा थी कि जगदानंद की जगह अब अब्दुल बारी सिद्दीकी को जिम्मेदारी मिलेगी और उन्हें प्रदेश अध्यक्ष बनाया जाएगा। दो अक्टूबर को जगदानंद सिंह आरजेडी के प्रदेश कार्यालय आए थे और उसी दिन मीडिया के सामने अपने बेटे सुधाकर सिंह के इस्तीफे के बाद कहा था कि जो किसानों के हित की बात करता है उसे त्याग करना पड़ता है। इसके बाद जगदानंद सिंह कभी पार्टी कार्यालय में नजर नहीं आए।

पीएम मोदी ने देश की राजनीति को जातिवाद, वंशवाद और तुष्टिकरण से किया मुक्त: अमित शाह

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने कहा कि भाजपा सभी लोकतांत्रिक प्रक्रियाओं और चर्चाओं के पूरा होने के बाद देश में समान नागरिक संहिता (यूसीसी) लागू करने के लिए प्रतिबद्ध है। उन्होंने कहा कि यह जन संघ के दिनों से ही भाजपा द्वारा देश के लोगों से किया गया वादा है। एक कार्यक्रम में गृह मंत्री ने कहा कि न सिर्फ भाजपा ने, बल्कि संविधान सभा ने भी संसद और राज्यों को उचित समय आने पर यूसीसी लागू करने की सलाह दी थी क्योंकि किसी भी पंथनिरपेक्ष देश में कानून धर्म के आधार पर नहीं होने चाहिए।

यदि राष्ट्र और राज्य पंथनिरपेक्ष हैं तो कानून धर्म पर आधारित कैसे हो सकते हैं? हर धर्म के व्यक्ति के लिए संसद या राज्य विधानसभाओं द्वारा पारित एक ही कानून होना चाहिए। उन्होंने दावा किया कि समय बीतने के साथ संविधान सभा की इस प्रतिबद्धता को भुला दिया गया। शाह ने कहा कि भाजपा को छोड़कर कोई भी दल समान नागरिक संहिता के समर्थन में नहीं है। एक लोकतंत्र में स्वस्थ चर्चाएं जरूरी हैं। इस मुद्दे पर खुली एवं स्वस्थ बहस किए जाने की जरूरत है। उन्होंने कहा कि भाजपा शासित तीन राज्यों- हिमाचल प्रदेश, उत्तराखंड और गुजरात में शीर्ष अदालत और हाई कोर्टों के सेवानिवृत्त मुख्य न्यायाधीशों की अध्यक्षता में पैनल गठित किए गए हैं, जिनके सामने अलग-अलग धर्मों के लोग इस मुद्दे को लेकर अपनी राय जाहिर कर रहे हैं। गृह मंत्री ने कहा कि हम इस प्रक्रिया में मिलने वाले सुझावों के आधार पर कार्रवाई करेंगे। इस दौरान उन्होंने यह भी कहा कि प्रधानमंत्री मोदी ने देश की राजनीति को जातिवाद, वंशवाद और तुष्टिकरण से मुक्त कर दिया है। अब जो अच्छा प्रदर्शन करेगा।

जम्मू-कश्मीर में तैयार हो रही नई लोकतांत्रिक पीढ़ी

जम्मू-कश्मीर अनुच्छेद-370 की वजह से भारत का हिस्सा है। अब न तो अनुच्छेद-370 है और न ही 35ए, फिर भी जम्मू-कश्मीर भारत के साथ है। गृह मंत्री ने कहा कि जम्मू-कश्मीर में एक नई लोकतांत्रिक पीढ़ी तैयार हो रही है, जहां 30,000 से अधिक पंच और सरपंच लोकतंत्र को जमीनी स्तर तक पहुंचा रहे हैं। 2019 के बाद से जम्मू-कश्मीर में 56 हजार करोड़ रुपये का निवेश आया है और 80 लाख पर्यटक पहुंचे हैं, जो आजादी के बाद से सर्वाधिक हैं। पिछली सदी के आखिरी दशक में जम्मू-कश्मीर में आतंकवाद की शुरुआत के बाद से वहां इससे जुड़ी सबसे कम वारदातें हुई हैं और पत्थरबाजी की घटनाएं भी बिल्कुल बंद हो गई हैं, जो उनकी सरकार की सबसे बड़ी उपलब्धि है। शाह ने कहा कि जम्मू-कश्मीर में आतंकवाद और उसको शह देने वालों की जड़ें बहुत गहरी हैं, लेकिन सरकार इसे पूरी तरह उखाड़ फेंकने के लिए प्रतिबद्ध है। भारत 2025 तक पांच लाख करोड़ अमेरिकी डालर की अर्थव्यवस्था बनने का लक्ष्य हासिल करने की दिशा में तेजी से बढ़ रहा है। 2014 में देश में चार यूनिकार्न स्टार्टअप थे और अब यह संख्या बढ़कर सौ के पार चली गई है।

बामुलाहिजा

कार्टून: हसन जैदी

डेंगू को लेकर हाईकोर्ट सख्त जरूरी उपाय करें अधिकारी

» राज्य सरकार व नगर निगम को ढिलाई न बरतने का दिया आदेश

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

प्रयागराज। इलाहाबाद हाईकोर्ट की लखनऊ खंडपीठ ने राजधानी समेत प्रदेश के सरकारी अस्पतालों में दवाओं की किल्लत समेत चिकित्सा सुविधाओं की कमी व डेंगू की रोकथाम मामले में सख्त रुख अपनाया है। हाईकोर्ट जिम्मेदारों के जवाब व कारवाई से कोर्ट संतुष्ट नहीं है। कोर्ट ने राज्य सरकार व नगर निगम लखनऊ के अफसरों को किसी तरह ढिलाई न बरतने का आदेश दिया है।

साथ ही सरकारी व नगर निगम के जिम्मेदार अफसरों को शहर में स्वच्छता व मच्छरों की बाढ़ रोकने को और जरुरी उपाय करने के निर्देश दिए हैं। अदालत ने कहा कि लखनऊ में अभी जरूरत के मुताबिक नगर निगम फागिंग नहीं करवा पा रहा है। न्यायमूर्ति देवेंद्र कुमार उपाध्याय और न्यायमूर्ति सौरभ श्रीवास्तव की खंडपीठ ने यह आदेश एक जनहित याचिका पर दिया। याचिका में डेंगू व अन्य मच्छर जनित बीमारियों की रोकथाम समेत सरकारी अस्पतालों में चिकित्सा सुविधाओं के मुद्दा उठाया गया है। अधिवक्ता एसके मिश्र का कहना था कि वर्तमान में राजधानी समेत प्रदेश में डेंगू, मलेरिया व वायरल बुखार के मरीज बढ़ रहे हैं। जबकि सरकारी अस्पतालों में जांच व दवाओं की सुविधा पूरी नहीं पड़ रही है। लोग परेशान है। इस पर कोर्ट ने सरकारी वकील से अस्पतालों में चिकित्सा सुविधाओं के उच्चीकरण को लेकर जवाब मांगा था।

यूपी निकाय चुनाव में 4.27 करोड़ से ज्यादा मतदाता डालेंगे वोट

» जल्द हो सकता है तारीखों का ऐलान, बढ़े करीब एक करोड़ मतदाता

» जल्द निर्वाचन आयोग को सौंपी जाएगी निकायों के आरक्षण की सूची

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। उत्तर प्रदेश में जल्द ही निकाय चुनाव का ऐलान हो सकता है। यूपी निकाय चुनाव को लेकर आयोग ने तैयारियां भी तेज कर दी है। इसी क्रम में मतदाता सूची को अंतिम रूप देने का भी काम किया जा रहा है। मतदाता सूची के जारी आंकड़ों के अनुसार यूपी निकाय चुनाव में इस बार 4.27 करोड़ से ज्यादा वोटर्स वोट डालेंगे। वहीं इस बार के चुनाव में कई बदलाव भी नजर आएंगे। यूपी में दिसंबर महीने में होने वाले स्थानीय निकाय के चुनाव में कुल चार करोड़ 27 लाख 40 हजार 320 मतदाता शहर की सरकार को चुनेंगे।

मतदाता सूची का अंतिम प्रकाशन होने के बाद वोटरों की कुल संख्या बढ़कर चार करोड़ 27 लाख से ज्यादा हो गई है। अगर इससे पहले 2017 में हुए निकाय चुनाव पर गौर करें तो उसकी तुलना में इस बार पूरे प्रदेश में 91.44 लाख मतदाता बढ़े हैं। बता दें कि यूपी में 17 नगर निगम, 200 से ज्यादा नगर पालिका और 517 नगर पंचायत हैं। यहां निकाय चुनाव की प्रक्रिया को 5 जनवरी से पहले ही पूरा हो जाना है। सभी राजनीतिक दल नगर निकाय चुनाव की अधिसूचना जारी होने का बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं। विधानसभा का शीतकालीन सत्र भी शुरू होने वाला है। मैनपुरी, खतौली और रामपुर में उपचुनाव भी होने वाले हैं। ऐसे में दिसंबर के आखिर तक अधिसूचना जारी हो सकती है।

111 नई नगर पंचायतों का हुआ गठन

2017 में 652 निकायों के चुनाव में तीन करोड़ 33 लाख से ज्यादा मतदाता थे। जो इस बार के चुनाव में बढ़कर 4.27 करोड़ से ज्यादा हो गए हैं। राज्य में बीते पांच साल में 111 नई नगर पंचायतों का गठन हुआ है। इसके अलावा पांच सालों के दौरान 130 नगर पंचायतें नगर पालिका परिषदों और नगर निगम में सीमा विस्तार हुआ है। वहीं उत्तर प्रदेश में होने वाले नगर निकाय चुनाव के लिए अधिसूचना का अभी और इंतजार करना पड़ सकता है। इसकी वजह पांच दिसंबर से शुरू होने वाला विधानमंडल का शीतकालीन सत्र है। असल में शीतकालीन सत्र के दौरान सरकार अनुपूरक बजट भी पेश करेगी। इस दौरान कुछ नई योजनाओं की घोषणा भी की जा सकती है। हालांकि राज्य निर्वाचन आयोग को आठ जनवरी से पहले निकाय चुनाव करवाने हैं। नगर विकास विभाग आरक्षण तय करने के लिए तेजी से काम कर रहा है। पहले माना जा रहा था कि नवंबर के अंतिम सप्ताह तक निकाय चुनाव की अधिसूचना जारी हो सकती है।

आरक्षण सूची में अभी लगेगा समय

नगरीय निकायों के आरक्षण में अभी एक सप्ताह का समय और लगेगा। नगर विकास विभाग ने राज्य निर्वाचन आयोग से आरक्षण के बाद निकायों की अंतिम सूची एक सप्ताह में सौंपने के लिए कहा है। राज्य निर्वाचन आयोग ने नगर विकास विभाग के प्रमुख सचिव अमृत अभिजात को बुलाकर नगरीय निकायों के आरक्षण की सूची में हो रहे विलंब का कारण पूछा। प्रमुख सचिव ने आयोग से एक सप्ताह का और समय मांगा है। प्रदेश में 763 नगरीय निकायों के चुनाव के लिए राज्य निर्वाचन आयोग को सरकार से आरक्षण तय होने के बाद निकायों की सूची का इंतजार है। इसके बाद ही आयोग चुनाव की अधिसूचना जारी करेगा। ज्यादातर नगरीय निकायों का कार्यकाल जनवरी के पहले हफ्ते में व कुछ का कार्यकाल दूसरे हफ्ते में समाप्त हो रहा है। आयोग को इससे पहले चुनाव कराना है। चुनाव कराने के लिए आयोग को न्यूनतम 35-36 दिन का समय जरूरी होता है, किंतु अभी तक निकायों की सूची ही सरकार से नहीं मिली है।

चुनाव के लिए 292 चुनाव चिह्न तय

नगरीय निकाय चुनाव में इस बार किसी को मिलेगी बैलगाड़ी तो किसी के हिस्से में कार आएगी। कोई अपना प्रचार शंख के जरिए करेगा तो किसी को भगवान परशुराम का फरसा के जरिए लुभाना पड़ेगा। राज्य निर्वाचन आयोग ने नगरीय निकाय चुनाव के लिए 292 चुनाव चिह्न तय कर दिए हैं। पंजीकृत दलों के लिए 14, प्रोविजनल पंजीकृत दलों के लिए 197 व निर्दलीय प्रत्याशियों के लिए 81 चुनाव चिह्न जारी किए गए हैं। राज्य निर्वाचन आयोग नगरीय निकाय चुनाव की तैयारियों में जुटा हुआ है। इस बार 763 नगरीय निकायों के चुनाव होने हैं। इनमें 17 नगर निगम, 200 नगर पालिका परिषद व 546 नगर पंचायतें शामिल हैं। वर्ष 2017 में 652 नगरीय निकायों में चुनाव हुए थे। पंजीकृत मान्यता प्राप्त दलों की सूची में इस बार 14 दल शामिल हैं। इनमें भाजपा, कांग्रेस, सपा, बसपा, आप, सीपीआई, सीपीएम आदि प्रमुख पार्टियां शामिल हैं। यह दल अपने-अपने चुनाव चिह्न पर ही निकाय चुनाव लड़ते हैं। पिछले चुनाव में आयोग ने पंजीकृत अमान्यता प्राप्त एवं प्रोवीजनल पंजीकृत दलों के लिए 164 मुक्त चुनाव चिह्न तय किए थे जबकि इस बार आयोग ने इस श्रेणी में 197 चुनाव चिह्न तय कर दिए हैं।

मैनपुरी उपचुनाव भाजपा के लिए किसी अग्निपरीक्षा से कम नहीं

कमल खिलाने के लिए सीएम योगी ने ली जिम्मेदारी, करेंगे सभाएं

» चुनावी रण में प्रचार में जुटी भाजपा, योगी की दो जनसभाएं संभावित

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। मैनपुरी लोकसभा सीट पर हो रहे उपचुनाव को सपा और भाजपा हर हाल में जीतना चाहती हैं। भाजपा के दिग्गजों की भी प्रतिष्ठा दांव पर लगी हुई है। पार्टी हाईकमान से मिले लक्ष्य को हासिल करने के लिए ये दिग्गज घर-घर जाकर वोट मांग रहे हैं। मैनपुरी और करहल में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की दो जनसभाएं संभावित हैं। मैनपुरी सदर विधानसभा सीट से भाजपा प्रत्याशी को जिताने की जिम्मेदारी पर्यटन मंत्री जयवीर सिंह को सौंपी गई है। जयवीर सिंह क्षेत्र में अकेले ही प्रचार-प्रसार में जुटे हुए हैं।

बात भोगांव विधानसभा सीट की करें तो इसकी जिम्मेदारी पूर्व आबकारी मंत्री एवं भोगांव विधायक रामनरेश अग्निहोत्री को सौंपी गई है। किशनी विधानसभा सीट पर खुद जिलाध्यक्ष प्रदीप चौहान की साख दांव पर है। वह इसी विधानसभा क्षेत्र के गांव खरगपुर के रहने वाले भी हैं। कुछ समय बाद जिलाध्यक्ष का भी चुनाव होना है, ऐसे में उपचुनाव इनके लिए किसी अग्निपरीक्षा से कम नहीं है। करहल विधानसभा क्षेत्र की जिम्मेदारी प्रदेश कार्यसमिति सदस्य राहुल चतुर्वेदी और जिला उपाध्यक्ष अरुण प्रताप सिंह को सौंपी गई है। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष चौधरी भूपेंद्र सिंह बूथ अध्यक्षों के सम्मेलन को संबोधित करने में लगे हैं। मीडिया प्रभारी सौरभ दुबे ने बताया कि किशनी और भोगांव विधानसभा क्षेत्र के बूथ अध्यक्षों का एक साथ, मैनपुरी और करहल विधानसभा क्षेत्र के बूथ अध्यक्षों का एक साथ सम्मेलन होगा।

स्टार प्रचारक भी बहाएंगे पसीना

भाजपा ने सपा के गढ़ को फतह करने के लिए 40 स्टार प्रचारकों को भी जिम्मेदारी सौंपी है। स्टार प्रचारकों की सूची में सबसे ऊपर नाम रक्षामंत्री राजनाथ सिंह का है। इसके अलावा मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के अलावा प्रदेश और केंद्र सरकार के कई मंत्रियों के नाम शामिल हैं। ये मंत्री जातिगत आधार पर क्षेत्रों में भ्रमण करके वोट मांग रहे हैं।

दो जनसभाएं कर सकते हैं योगी

उपचुनाव भाजपा भी पूरी ताकत से लड़ रही है। खुद मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ लोकसभा क्षेत्र में दो जनसभाएं कर सकते हैं। मीडिया प्रभारी सौरभ दुबे ने बताया कि मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ 28 नवंबर को करहल विधानसभा क्षेत्र में तथा दो दिसंबर को शहर क्रिश्चियन मैदान में जनसभा कर सकते हैं।

मोदी-योगी के काम पर मिलेगा मैनपुरी में वोट

समाजवादी परिवार में दूरियां लगातार कम होती दिख रही हैं। मैनपुरी उपचुनाव ने पूरे कुनबे को एक बार फिर से साथ ला दिया है। पहले सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव ने चाचा शिवपाल यादव के पैर छूकर आशीर्वाद लिया तो अब शिवपाल यादव ने बड़े भाई प्रो. रामगोपाल के पैर छुए। सपा कुनबे के एक होने पर परिवहन मंत्री दयाशंकर सिंह ने कहा कि ये बहुत सुखद है कि परिवार में एकता आ रही है, लेकिन बीजेपी की चुनौती एक परिवार से नहीं हैं। मंत्री दयाशंकर सिंह ने कहा कि ये सुखद है कि परिवार में एकता आ रही है। अच्छी बात है होना भी चाहिए। उन्होंने कहा कि शिवपाल यादव का सपा के विकास में बड़ा योगदान रहा है। नेताजी के साथ उन्होंने बहुत संघर्ष किया है। इस बार भी मोदीजी और योगीजी के काम के बल पर बीजेपी मैनपुरी में लाखों वोट से जीतेगी। एक-एक करके उनके सभी गढ़ ध्वस्त हो चुके हैं। अंतिम किले को बचाने के लिए पूरी ताकत तो लगाएंगे ही लेकिन ये किला भी ध्वस्त हो जाएगा और रघुराज सिंह लाखों वोट से जीतेंगे।

जिद... सच की

Sanjay Sharma
editor.sanjaysharma
@Editor_Sanjay

मजबूत हो रही भारत की अर्थव्यवस्था

भारत एशिया में सबसे मजबूत अर्थव्यवस्था बनकर उभरने जा रहा है। कयास लगाए जा रहे है कि भारतीय अर्थव्यवस्था वित्तीय वर्ष 2022-23 में 7 प्रतिशत से अधिक की विकास दर हासिल कर लेगी जो विश्व में सबसे बड़ी अर्थव्यवस्थाओं में सबसे अधिक होगी एवं भारत का एशियाई एवं वैश्विक अर्थव्यवस्था के विकास दर में क्रमश 28 एवं 22 प्रतिशत का योगदान रहने जा रहा है।

वर्ष 2022-23 में भारत एशिया में सबसे मजबूत अर्थव्यवस्था बनकर उभरने जा रहा है। कयास लगाए जा रहे है कि भारतीय अर्थव्यवस्था वित्तीय वर्ष 2022-23 में 7 प्रतिशत से अधिक की विकास दर हासिल कर लेगी जो विश्व में सबसे बड़ी अर्थव्यवस्थाओं में सबसे अधिक होगी एवं भारत का एशियाई एवं वैश्विक अर्थव्यवस्था के विकास दर में क्रमश 28 एवं 22 प्रतिशत का योगदान रहने जा रहा है। भारत में सुदृढ़ आर्थिक मांग उत्पन्न होने की प्रबल संभावनाएं मौजूद हैं। आर्थिक सुधार कार्यक्रम भी तेजी से लागू किये जा रहे हैं। देश में पर्याप्त मात्रा में युवा श्रम शक्ति मौजूद है एवं व्यापार में लगातार निवेश बढ़ रहा है। ब्लूम्बर्ग द्वारा किए गए सर्वे के अनुसार कोविड महामारी एवं रूस यूक्रेन युद्ध के बीच भारत में मंदी की सम्भावना शून्य थी। जबकि कई विकसित एवं विकासशील देश भी मंदी की परेशानी से अब भी जूझ रहे हैं। यह भारत के लिए अच्छी खबर है। दरअसल, भारत ने पिछले 8 वर्ष के दौरान आर्थिक क्षेत्र में कई अहम फैसले लिए हैं जिनका प्रभाव भारतीय अर्थव्यवस्था के विभिन्न क्षेत्रों पर स्पष्ट दिखाई देने लगा है। जो क्षेत्र अभी तक लगभग पूर्णत: आयात पर निर्भर थे, उन क्षेत्रों से भी निर्यात तेज गति पकड़ रहा है।

उद्योग मंडल फिक्की और केपीएमजी की रिपोर्ट के अनुसार, भारतीय खिलौना बाजार 2024-25 तक 200 करोड़ अमेरिकी डॉलर हो जाएगा। अंतरराष्ट्रीय स्तर पर पिछले तीन वर्षों में भारत से खिलौना निर्यात में 61 प्रतिशत की बढ़ोतरी दर्ज की गई है। फिलीपींस, वियतनाम एवं इंडोनेशिया आदि को ब्रह्मोस मिसाइल भी निर्यात करने की तैयारी कर रहा है। कुछ अन्य देशों जैसे सऊदी अरब एवं दक्षिण अफ्रीका आदि ने भी भारत से ब्रह्मोस मिसाइल खरीदने में रुचि दिखाई है। आज भारत से 84 से अधिक देशों को रक्षा उपकरणों का निर्यात किया जा रहा है। 1970 के दशक में अस्तित्व में आया भारत का सूचना प्रौद्योगिकी उद्योग आज देश और दुनिया में नित नये आयाम स्थापित कर रहा है। इंडस्ट्री बॉडी नेस्कॉम की 2022 की एक रिपोर्ट के अनुसार इस वर्ष आईटी सेक्टर में 15.5 प्रतिशत की विकास दर की पूरी संभावना है। आज आईटी सेक्टर में करीब 50 लाख लोगों को प्रत्यक्ष रूप से रोजगार मिला हुआ है जिसमें लगभग 18 लाख महिलाएं शामिल हैं और आईटी सेक्टर का आकार 200 अरब डॉलर से भी अधिक का है। भारत का इलेक्ट्रॉनिक वाहन बाजार भी तेज गति से बढ़ रहा है। इंडिया एनर्जी स्टोरेज एलायंस की ताजा रिपोर्ट के अनुसार वर्ष 2021 से वर्ष 2030 के बीच भारत का इलेक्ट्रिक वाहन बाजार 49 प्रतिशत की दर से प्रगति करेगा, भारत में लगातार तेज गति से आगे बढ़ रही अर्थव्यवस्था और देश के पास पर्याप्त मात्रा में उपलब्ध विदेशी मुद्रा भंडार के चलते भारत में मंदी की सम्भावनाएं लगभग शून्य हैं।

(इस लेख पर आप अपनी राय 9559286005 पर एसएमएस या info@4pm.co.in पर ई-मेल भी कर सकते हैं)

टेरर फंडिंग पर अंकुश बहुत जरूरी

सुशांत सरीन

पिछले दिनों भारत में हुए नो मनी फॉर टेरर सम्मेलन से यह इंगित हो गया कि आतंक को आर्थिक और वित्तीय सहयोग मुहैया कराने के मसले को दुनियाभर में गंभीरता से देखा जाने लगा है. यह सभी समझने लगे हैं कि विश्व में कहीं भी जो आतंकी गतिविधियां चल रही हैं, उनका अहम पहलू उनकी फंडिंग है। आतंकियों को बहाल करने, उन्हें प्रशिक्षण देने, साजो-सामान खरीदने, ठिकाने बनाने, यात्राएं करने, हमले की तैयारी करने आदि के लिए पैसों की जरूरत होती है। बिना वित्तीय मदद के कोई भी आतंकी संगठन अधिक समय तक नहीं चल सकता है। यह अब सब समझने लगे हैं कि आतंक के लिए हथियार ही नहीं, पैसों की भी जरूरत होती है. अब सवाल यह है कि इसे रोका कैसे जाए. इस संबंध में फाइनेंशियल एक्शन टास्क फोर्स बनाया गया है। उसके अलावा यह पहल भी हुई थी, जिसकी बैठक भारत में अभी हुई है। कुछ साल पहले इसका अधिवेशन हुआ था, पर बीच में कोरोना महामारी के कारण प्रक्रिया बाधित हो गयी थी। इस पहल का उद्देश्य उन उपायों को निर्धारित करना है, जिनसे आतंक को मिलने वाले आर्थिक सहयोग को रोका जा सके।

टेरर फंडिंग को रोकना है, तो वह कोई देश अकेले नहीं कर सकता है. इसे प्रभावी होने के लिए सभी देशों के आपसी सहयोग की आवश्यकता है। इस लिहाज से नो मनी फॉर टेरर सम्मेलन एक अच्छी पहल है। इससे कई देश जुड़ रहे हैं और वे परस्पर सहकार के लिए मन भी बना रहे हैं। लेकिन अभी तक इस संबंध में कोई सांगठनिक संरचना नहीं बन पायी है, जैसा संगठन एफएटीएफ का है। पर यह सम्मेलन इस लिहाज से अहम है कि इसमें टेरर फंडिंग के नये-नये तरीकों और उन्हें रोकने से जुड़ी चुनौतियों पर चर्चा हुई है। यह बहुत महत्वपूर्ण है कि विभिन्न देश अपने अनुभवों से एक-दूसरे को अवगत करा रहे हैं तथा परस्पर सीख भी ले रहे हैं। भारत ने अंतरराष्ट्रीय मंचों पर टेरर फंडिंग के मुद्दे को लगातार उठाया है, लेकिन हमारे देश में इसकी गंभीरता का अहसास बहुत देर से हुआ है। जब से केंद्र में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में सरकार बनी है, तभी से इस मसले को दुनिया के सामने जोर-शोर से उठाया जा रहा है। पहले यह समझदारी मुख्य थी कि अगर आतंक की रोकथाम करनी है, तो आतंकी समूहों के हथियारों को पकड़ा जाना चाहिए। अगर आप असलहा पकड़ लेंगे, तो आप आतंकवाद की कमर तोड़ देंगे, यह सोच हावी थी। इसीलिए आर्म्स एक्ट जैसे कानून लाये गये थे। बाद में यह अहसास हुआ कि

हथियारों को पकड़ने की जरूरत तो है, पर फंड को रोकने की भी अहमियत है। जब से भारत इस आयाम से अवगत हुआ है, तब से फंडिंग रोकने पर बहुत बल दिया जाने लगा है। भारत में भी आप देखें, तो दस्तावेजीकरण की कोशिश हो रही है, पर पूरी तरह से नहीं हो पाया है। फिर भी हमारे तंत्र में इस पहलू पर बहुत काम हुआ है। मेरा मानना है कि गिलास अभी आधा ही भरा हुआ है। प्रधानमंत्री मोदी की यह बात बिलकुल सही है कि उनकी सरकार आने के बाद इस मुद्दे को चर्चा के केंद्र में लाया गया है। हमारे देश में तीस वर्षों से अधिक समय से आतंकवाद चल रहा है। आतंकवाद से जुड़े लोगों ने बहुत पैसा भी बनाया है। कश्मीर में तो आतंकवाद एक उद्योग का रूप ही ले चुका है। जितने भी आतंकी सरगना हैं, वे रेहड़ी चलाते थे, पर आज वे शॉपिंग मॉल और रियल इस्टेट के मालिक बने हुए हैं। इन्होंने पैसा हर जगह और हर तरीके से बनाया है। इन लोगों ने भारत सरकार से भी पैसा लिया कि हम ये करेंगे और वो नहीं करेंगे। फिर पाकिस्तान से तो इन्हें पैसे मिले ही हैं। ये लोग आपराधिक नेटवर्किंग से भी जुड़ जाते हैं। बिना पैसे के कोई भी आतंकी गिरोहों में शामिल नहीं होता है। जब कश्मीर में पत्थरबाजी होती थी, तब उसका भी रेट होता था। जब पैसे को रोकने की कोशिश हुई, तो कश्मीर में बहुत सी चीजें होनी बंद हो गयी हैं। पंजाब में दहशतगर्दी के दौर में हमने देखा था, वह दौर फिर से लौटता हुआ दिख रहा है, उसमें पैसे की बड़ी भूमिका होती थी क्योंकि अपराधी भी उसका हिस्सा बन जाते हैं। पंजाब में अब जो हालात हैं, उसमें नशीले पदार्थों की तस्करी का पहलू भी बड़े पैमाने पर जुड़ गया है। उससे आने वाले धन का कुछ हिस्सा अपराधियों को जाता है और बाकी धंधे को बढ़ाने में इस्तेमाल होता है, जिसमें दहशतगर्दी भी शामिल है। माओवादी संगठनों के बारे में भी आकलन है कि वे कहां-कहां से पैसे कमाते हैं। बीड़ी पत्ते के धंधे, लकड़ी की चोरी, उगाही आदि उनकी आमदनी के स्रोत हैं। अगर यह पैसा नहीं होगा, तो वे अपना संगठन नहीं चला सकते। पूर्वोत्तर के राज्यों में गिरोहों का उगाही का व्यापक नेटवर्क रहा है। इसीलिए अब फंडिंग पर बहुत अधिक ध्यान दिया जा रहा है क्योंकि समझ में यह बात आ गयी है कि यह तो नया उद्योग, नया व्यवसाय बन चुका है। इसे रोकने का एक ही तरीका है कि इस पैसे पर हाथ डाला जाए। आतंक में बाहरी स्रोतों से आने वाले पैसे की बड़ी भूमिका है। अब हर जगह यह नियम है कि आप नगद में एक सीमित राशि लेकर ही आ-जा सकते हैं।

मोदी के उपहार और हिंदू विरासत

प्रभु चावला

देशी नेताओं को दिया गया उपहार एक कठिन पहेली होता है। इसे ठीक से समझने से ही मित्रता गहरी होती है और शत्रु निरस्त्र होते हैं। उसके भीतर के संदेशों को पढ़ना जरूरी होता है। कूटनीतिक उपहार आदान-प्रदान के समय ली गयी तस्वीरों से अमर हो जाते हैं। उपहारों की विचारधारा नहीं होती, वे भव्यता के विचार होते हैं। लेकिन अब विदेश नीति में आधिकारिक उपहार घरेलू विवशताओं, भौगोलिक और यहां तक कि चुनावी संकल्पों को भी इंगित करते हैं। बीते सप्ताह बाली में हुए जी-20 सम्मेलन में प्रधानमंत्री मोदी ने विश्व नेताओं को उपहार प्रदान किया। मोदी लीक से अलग हटकर सोचते हैं। ये उपहार भारतीय मीडिया में सुर्खियां बने। बाइडेन, जिनपिंग, सुनक आदि नेताओं की चर्चा संपादकीय टिप्पणियों में ही हुई, पर मोदी जो भी करते हैं, उसमें एक अर्थ होता है और भारतीय अधिकारियों ने यह निश्चित किया कि उनके स्वामी की आवाज स्पष्ट रूप से घरेलू श्रोताओं तक पहुंचे।

क्या उपमाओं के धुरंधर गुजरात और हिमाचल प्रदेश के चुनाव अभियान को बाली तक लेकर गये थे, जो प्राचीन काल में एक हिंदू राजतंत्र था, जहां आज भी बहुत से मंदिर हैं? जून में मोदी ने जी-7 के नेताओं को उत्तर प्रदेश की दस्तकारी की चीजें दी थीं, जहां उन्होंने बड़ी चुनावी जीत हासिल की थी। जो जड़ाऊ पिन और कफलिंक उन्होंने बाइडेन को दिया, वे उनके क्षेत्र वाराणसी में बने थे। इंडोनेशिया के राष्ट्रपति को दिया गया 'राम दरबार' भी बनारस में निर्मित था। मोदी की उपस्थिति में राष्ट्रवाद की धमक होती है, जो औपनिवेशिक आख्यान को परे धकेलता है। उसमें उनकी आधिकारिक छाप होती है। साल 2014 में जीत के बाद मोदी को ओबामा से औपचारिक बधाई मिली और उन्होंने वाशिंगटन आने का निमंत्रण दिया। मोदी के लिए यह सुखद बदले जैसा था क्योंकि पहले उन्हें अमेरिका का वीजा देने से मना कर दिया गया था। प्रधानमंत्री मोदी उपमाओं के कलाकार हैं। ओबामा को दिये उपहार अमेरिका के पहले अश्वेत राष्ट्रपति से भावनात्मक रूप से जुड़ते हैं- डॉ मार्टिन लूथर किंग की भारत यात्रा, डॉ किंग की मृत्यु के बाद जवाहरलाल नेहरू सम्मान लेने आयीं कोरेट्टा स्कॉट किंग तथा महात्मा गांधी से जुड़ी रिकॉर्डिंग। डॉ किंग महात्मा गांधी से प्रभावित थे और वे ओबामा के एक आदर्श हैं। लेकिन मोदी ने भारत की विरासत को किनारे नहीं किया। ओबामा दंपत्ति को भागवत गीता और गांधी द्वारा गीता की व्याख्या की प्रतियां दी गयीं। इससे भारत का मान बढ़ा। बाद में ओबामा ने मोदी को 1893 में शिकागो के धर्म सम्मेलन का संकरण प्रदान किया, जिसमें स्वामी विवेकानंद ने भी भाग लिया था। विडंबना है कि वर्तमान अतीत को इंगित करता है। आमतौर पर नेता ऐसा उपहार अपने अतिथियों को देते हैं, जो मेजबान देश से उनके पुराने संबंधों से जुड़ा हो। मोदी ने दिवंगत महारानी एलिजाबेथ को 1961 में हुई उनकी पहली भारत यात्रा की दुर्लभ तस्वीरें, दार्जिलिंग की मकईबारी चाय, जम्मू-कश्मीर का शहद तथा वाराणसी से तनछुई ओढ़नी उपहार में दिया था। वे उपहारों के माध्यम से संदेश को बहुत हद तक बदल देते हैं। वे सेकुलर और राजनीतिक सीमाओं के उपहार नहीं देते, उनके उपहार भारत की हिंदू विरासत और गुजराती संस्कृति को बढ़ावा देते हैं। मोदी के उपहारों की विचारधारा गांधी-नेहरू युग के कूटनीतिक आभार से विपरीत है, जब आधिकारिक उपहारों- गांधीवादी स्मृति चिन्ह और मुगल प्रतीक- में सेकुलर इतिहास दृष्टि होती थी। मनमोहन सिंह ने अपने एक दौरे में अमेरिकी ओबामा को संगमरमर का एक बहुरंगी टेबल टॉप दिया था, जिसमें कीमती पत्थर जड़े हुए थे। अगले साल उन्होंने चांदी का एक बक्सा दिया था, जिस पर लाल किले के फूलदार डिजाइन बने हुए थे। वे अमेरिकी नेताओं की पसंद-नापसंद जानते थे। विदेश नीति में प्रभावशाली हिलेरी क्लिंटन को उन्होंने नावनुमा चांदी का पर्स दिया था। सफल कूटनीतिक फल की उपमा तब समझौते में साकार हुई, जब 2006 में राष्ट्रपति बुश ने भारत दौरे में भारतीय आम खाने की इच्छा जतायी। उन्होंने कहा कि अमेरिका भारतीय आम खाने का इच्छुक है।

भारत ने आम के निर्यात पर लगी पाबंदी तुरंत हटा ली। जल्दी ही भारतीय आमों की खेप अमेरिका पहुंची और व्यापार नीतियों एवं कृषि अनुसंधान परियोजनाओं को हरी झंडी मिली। इंदिरा गांधी और राजीव गांधी भारतीय वस्त्रों पर मोहित थे। उनके कुछ करीबी दोस्तों ने सुझाव दिया कि इनके उपहार अच्छे हो सकते हैं, जो भारत के स्थानीय सौंदर्य को प्रतिबिंबित करें। उनके नजदीकी बताते हैं कि ये दोनों नेता उपहार चुनते समय भौगोलिक, ऐतिहासिक या सांस्कृतिक विशिष्टताओं का ध्यान नहीं रखते थे। अटल बिहारी वाजपेयी का व्यक्तिगत प्रभाव ही अपने-आप में एक उपहार था। साल 2003 में उन्होंने अपनी अंतिम अमेरिका यात्रा में बिल क्लिंटन को बेहद खास रेशमी कालीन दिया था। शायद ऐतिहासिक साझा दृष्टि पत्र के लिए लाल कालीन बिछाने का यह उनका तरीका था। डोनाल्ड ट्रंप के उपहार अलग हुआ करते थे- महारानी एलिजाबेथ को कपड़े पर लगाने वाला आभूषण, थेरेसा मे को किताबों का महंगा सेट, इमरान खान को क्रिकेट बैट, शी जिनपिंग को 29 सौ डॉलर का टी सेट, शिंजो आबे को दो हजार डॉलर के बॉक्सिंग ग्लव्स आदि। ओबामा पांच सौ डॉलर की घड़ी देकर खुश रहते थे। कुछ उपहार क्रूर मजाक भी होते हैं और अपने को बड़ा दिखाने के उपक्रम भी। शीत युद्ध के दौरान सोवियत नेता निकिता और अमेरिकी नेता जॉन केनेडी के बीच उपहारों के आदान-प्रदान में औपचारिक विनम्रता की आड़ में तंज भरी आक्रामकता होती थी। वर्ष 1961 में ख्रुश्चेव ने केनेडी को पुश्किना नामक शिशु कुत्ता दिया, जो लाइका की संतान थी। लाइका वह कुत्ता थी, जिसे अंतरिक्ष दौड़ में अमेरिका को पछाड़ते हुए सोवियत संघ ने अंतरिक्ष में भेजा था। खैर, पुश्किना केनेडी के बच्चों के साथ व्हाइट हाउस में रही और उसने बच्चे भी जने। वर्ष 1972 में रिचर्ड निक्सन की ऐतिहासिक चीन यात्रा में पैट्रिशिया निक्सन ने अपने पांडा प्रेम का खुलासा किया था। चीनी प्रधानमंत्री चाऊ एन लाई ने तुरंत दो पांडा वाशिंगटन भेज दिया। पर ऐसे आदान-प्रदान भी महाशक्तियों की वैश्विक वर्चस्व बनाने की हवस को नहीं बदल सके हैं। उपहारों से कुछ क्षण की मुस्कुराहट और गर्मजोशी से हाथ मिलाना ही हो पाता है।

कलफुल ईयर मफ से कानों को कवर करके महिलाएं अपने लुक में चार चांद लगा सकती हैं।

हर ड्रेस के साथ प्रिंटेड वुलन स्कॉर्फ कैरी करके भी महिलाएं बेस्ट लुक हासिल कर सकती हैं।

सर्दियों के मौसम में बेस्ट लुक पाना कई लोगों के लिए मुश्किल टास्क साबित होता है. लेटेस्ट ड्रेसिंग सेंस फॉलो करने से लेकर ट्रेंडी विंटर वियर कैरी करने के बाद भी कुछ लोगों का लुक नॉर्मल नजर आता है. सर्दियों में सुंदर और आकर्षक दिखने के लिए ज्यादातर लोगों का फोकस ड्रेस और मेकअप पर होता है. ट्रेंडी और डिफरेंट लुक पाने के लिए बेस्ट ड्रेस के साथ परफेक्ट मेकअप लुक कैरी करना काफी नहीं होता है. आपको बताने जा रहे हैं विंटर की कुछ कॉमन एसेसरीज, जिन्हें ट्राई करके आप अपने लुक को चुटकियों में एन्हान्स कर सकती हैं।

स्कार्फ कैरी करें

सर्दियों में स्कॉर्फ का इस्तेमाल भी महिलाओं के लिए बेस्ट हो सकता है. सर्दियों में हर ड्रेस के साथ सिंपल, सोवर, और प्रंटेड वुलन स्कार्फ कैरी करके आप न सिर्फ ठंड से खुद का बचाव कर सकती हैं बल्कि फैशनेबल और ट्रेंडी लुक भी आसानी से हासिल कर सकती हैं.

बेस्ट होगा बूट्स का चुनाव

सर्दी के मौसम में महिलाएं अमूमन शूज पहनना पसंद करती हैं। हालांकि अगर आप चाहें तो सर्दियों मे बूट्स ट्राई करके भी अपने लुक को एन्हॉन्स कर सकती हैं। खासकर सर्दियों में लेदर के बूट्स आपकी ब्यूटी में चार चांद लगाने का काम करते हैं। वहीं बूट्स में असहज महसूस करने पर फ्लीस बूट्स कैरी करना भी आपके लिए अच्छा ऑप्शन हो सकता है।

ईयर मफ ट्राई करें

सर्दियों में कानों को ठंड से बचाने के लिए महिलाएं अक्सर स्कार्फ और मफलर का इस्तेमाल करती हैं। मगर सर्दी में ईयर मफ से कानों को कवर करना भी आपके लिए बेहतर विकल्प साबित हो सकता है। इससे न सिर्फ आप कानों को ठंड से बचा सकती हैं बल्कि अपने लुक को भी स्टाइलिश बना सकती हैं। वहीं डिफरेंट लुक पाने के लिए आप मार्केट से कलरफुल और बेस्ट डिजाइन वाले ईयर मफ का चुनाव कर सकती हैं।

बैरेट कैप पहनें

सर्दियों में स्टाइलिश ड्रेस के साथ बैरेट कैप पहनकर आप डिफरेंट और ट्रेंडी लुक हासिल कर सकती हैं । वहीं सर्दियों के दौरान बैरेट कैप मार्केट में आसानी से उपलब्ध रहते हैं। ऐसे में जींस, पैंट और स्कर्ट के साथ बैरेट कैप लगाकर अपने आउटफिट को फ्रेंच लुक दे सकती हैं।

हंसना मना है

पापा: तेरा रिजल्ट आ गया, पास हुआ या फेल? बेटा: प्रिंसिपल का बेटा फेल हो गया पापा: तुम? बेटा- मेजर साहब का बेटा भी फेल हो गया पापा: और तुम? बेटा: डॉक्टर साहब का बेटा भी फेल हो गया पापा गुस्से से: बेवकूफ, मैं तुमसे पूछ रहा हूं तुम्हारे रिजल्ट का क्या हुआ? बेटा: तो आप कौन से प्रधानमंत्री हो जो आपका बेटा पास हो जाएगा...दे चप्पल, दे चप्पल, दे चप्पल।

मंटू की पत्नी गुस्सा होकर मायके चली जाती है मंटू अपनी ससुराल में फोन करता है, उधर से सास की आवाज आती है, कितना बार कहा है तुमसे अब वो तुम्हारे घर नहीं आएगी तो क्यों बार-बार फोन करते हो यहां मंटू: कुछ नहीं बस सुनकर अच्छा लगता है... सास: ठीक है फिर कल से मैं भी साथ में आ जाती हूं एक महीने के लिए मंटू लाल बेहोश.....

चाहे कितनी भी अंग्रेजी सीख लो... लेकिन जब कुत्ता पीछे पड़ जाए तो हट-हट ही करना पड़ता है.

लड़की: मेरे पापा ने मुझे नया मोबाइल खरीद कर दिया। लड़का: अरे वाह, कंपनी कौन सी है? लड़की : लावारिस कंपनी का। लड़का: अरे अक्ल की अंधी वो लावारिस नहीं LAVA IRIS है।

एक आदमी खड़े-खड़े चाबी से अपना कान खुजा रहा था। दूसरा आदमी पास जाकर बोला: भाई अगर तू स्टार्ट नहीं हो पा रहा है तो धक्का लगाऊं क्या?

एक ऑटो वाले की शादी हो रही थी जब उसकी दुल्हन फेरों के वक्त उसके पास बैठी तो वह बोला, थोड़ा पास होकर बैठो, अभी एक और बैठ सकती है फिर क्या था मण्डप में ही...दे चप्पल दे चप्पल!

कहानी

जो होता है अच्छा होता है

बीरबल हमेशा एक बात कहते थे कि जो होता है अच्छे के लिए ही होता है। बादशाह अकबर उसकी इस बात को हमेशा गलत ठहराते थे। एक दिन तलवार को संभालते समय बादशाह की छोटी ऊँगली कट गयी। बीरबल ने तुरंत बादशाह से कहाँ-चिंता न करें, जो भी होता है उसके पीछे कोई कारण होता है और वह कारण अच्छे के लिए होता है। बादशाह अकबर बीरबल की इस बात पर बहुत क्रोधित हुए और उसे जेल में डाल दिया। बादशाह ने ऊँगली पर पट्टी बाँधी और कुछ दिन बाद मन बदलने के लिए जंगल में शिकार के लिए चल दिए। कुछ देर बाद, वे शिकार दल से अलग हो गये और अचानक से कुछ आदिवासियों ने उन्हें घेर लिया, मानव बलि देने के लिए। बादशाह को बलि के बकरे की तरह बांधकर मंदिर तक लाया गया। मंदिर के पुजारी ने जब बलि देने के लिए बादशाह का परीक्षण किया हो कहा कि यह बलि देने लायक नहीं है क्योंकि इसकी ऊँगली गायब है। यह जानकर बादशाह को छोड़ दिया गया। महल वापिस लौटने पर बादशाह ने भगवान को अपनी उंगली कटने का धन्यवाद किया जिसके कारण उनका जीवन बच गया। वे फौरन बीरबल से मिलने जेल पहुंचे। बीरबल, तुम्हें जेल में डालने के लिए माफी चाहता हूँ अब मैं समझ गया हूँ कि मेरी ऊँगली का काटना मेरे लिए किस प्रकार अच्छा था। लेकिन मुझे बताओ ईश्वर ने मुझे तुम्हें जेल में क्यों डालने दिया। यह तुम्हारे लिए कैसे अच्छा था? बीरबल ने उत्तर दिया, जहाँपनाह, अगर मैं जेल में नहीं होता तो आप मुझे अपने साथ शिकार पर ले जाते और आदिवासियों द्वारा आपको छोड़ने पर, वे मुझे के लिए ले जाते।

8 अंतर खोजें

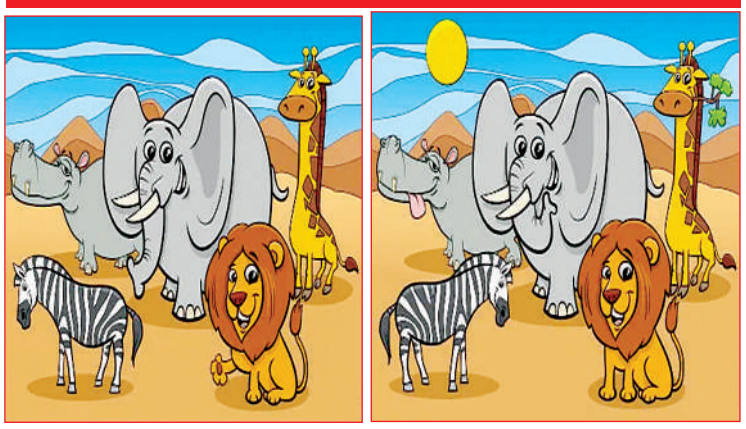

पंडित संदीप आत्रेय शास्त्री

जानिए कैसा रहेगा कल का दिन

लेखक प्रसिद्ध ज्योतिषविद हैं। सभी प्रकार की समस्याओं के समाधान के लिए कॉल करें-9837081951

मेष काम का दबाव बढ़ने के साथ ही आप मानसिक उथल-पुथल और दिक्कत महसूस करेंगे। कोई बड़ी योजनाओं और विचारों के जरिए आपका ध्यान आकर्षित कर सकता है।

वृषभ आज आपका दिन फेवरेबल रहेगा। किस्मत का पूरा-पूरा सहयोग प्राप्त होगा। अचानक धन लाभ के अवसर प्राप्त होंगे। कोई खास और अच्छा काम होने के योग बन रहे हैं।

मिथुन आज क्रोध में आकर प्यार से जुड़ा किसी भी प्रकार का फैसला ना करें। सोच समझ कर अपने विवेक से कार्य करते हुए आगे बढ़े। धन खर्च हो सकता है।

कर्क वाहन चलाते वक्त सावधानी बरतें, खास तौर पर अगर आप रात के समय यात्रा कर रहें हों। निवेश से जुड़े अहम फैसले किसी और दिन के लिए छोड़ देने चाहिए।

सिंह आज आपका दिन मिला-जुला रहेगा। आपका मन थोड़ा उदास हो सकता है। आज जल्दबाजी में कोई काम करने से बचें। पिता के साथ अनबन हो सकती है।

कन्या आज आपके घर परिवार में सुख शांति रहेगी। धनार्जन होगा। कन्या राशि के जातकों के जीवन के सभी कार्य समय के दौरान जल्दी पूर्ण होंगे।

तुला आज आप काफी पैसे बना सकते हैं। रिश्तेदारों और दोस्तों से अचानक उपहार मिलेगा। अपने प्रिय को आज निराश न करें- क्योंकि ऐसा करने की वजह से बाद में आपको पछताना पड़ सकता है।

वृश्चिक आज आपका दिन उत्तम रहेगा। जीवनसाथी के साथ खुशी के पल बितायेंगे। नए लोगों के साथ जुड़ सकते हैं। आपका आत्मविश्वास बढ़ा रहेगा। कोई नया प्रोजेक्ट मिल सकता है।

धनु आज आप अपने किसी खास मित्र से मुलाकात कर सकते हैं। जीवनसाथी के साथ रिश्ते अच्छे रहने वाले हैं। नई विचारधारा का प्रभाव सामाजिक लाभ देगा।

मकर आपका विनम्र स्वभाव सराहा जाएगा। कई लोग आपकी खासी तारीफ कर सकते हैं। सिर्फ अक्लमंदी से किया गया निवेश ही फलदायी होगा- इसलिए अपनी मेहनत की कमाई सोच-समझ कर लगाएँ।

कुम्भ आज आपका मनोबल आपको किसी जरूरी काम में सफलता दिलायेगा। माता-पिता के सहयोग से आपके कारोबार के क्षेत्र में वृद्धि होगी। आर्थिक स्थिति पहले से मजबूत रहेगा।

मीन आज आपको अपना सच्चा प्यार मिलेगा। स्वास्थ्य का ख्याल रखें। वाहन सावधानी से चलाएं। हर कदम पर सफलता प्राप्त होगी। नया काम शुरू करने के लिए यह समय उत्तम है।

बॉलीवुड | मन की बात

मुझे सपने पूरे करने में मेरे माता पिता ने मेरी मदद दी : प्रियंका

प्रियंका चोपड़ा अब हॉलीवुड में भी अपना कमाल दिखा रही हैं। अभिनेत्री ग्लोबल स्टार बन गई हैं, जिसके लिए उन्होंने कड़ी मेहनत की। लेकिन कुछ लोगों को लगता है कि प्रियंका की सफलता के पीछे कोई शैतानी ताकत है और वह शैतान की पूजा करती हैं। वहीं, अब अभिनेत्री ने एक पॉडकास्ट इंटरव्यू के दौरान इस बारे में बात की और बताया कि क्या वह सच में ऐसा करती हैं। दरअसल, प्रियंका चोपड़ा से पूछा गया कि क्या वह शैतान की पूजा करती हैं? इस सवाल को सुनते हैं प्रियंका हंसने लगीं और कहा, यह बहुत डरावना है। शिव जी मुझसे नाराज हो जाएंगे। इसके बाद अभिनेत्री ने अपनी सक्सेस पर खुलकर बात की और कहा कि मिस वर्ल्ड का टाइटल जीतने के बाद उन्हें फिल्मों में काम करने का मौका मिला था। उन्होंने कहा, मुझे नहीं पता था कि इससे मुझे क्या उपलब्धि मिली। अचानक से लोग मुझे जानने और पहचानने लगे थे। मुझे ये भी नहीं पता था कि फिल्मों को साइन कैसे करते हैं। इसके बाद अभिनेत्री ने अपने माता-पिता को भी अपनी सफलता का श्रेय दिया। प्रियंका ने कहा, उन्होंने मेरे सपने पूरे करने में मेरी पूरी मदद की। इतना ही नहीं मेरे पिता ने अपनी प्रैक्टिस भी छोड़ दी थी। उन्होंने हर उतार-चढ़ाव में मेरा साथ दिया। बता दें कि प्रियंका चोपड़ा ने 2018 में निक जोनस से शादी की थी। वहीं, इस साल की शुरुआत में वह सरोगेसी के जरिए एक बेटी की मां बनी हैं। प्रियंका अक्सर अपनी बेटी की झलक फैंस के साथ सोशल मीडिया पर साझा करती रहती हैं। वहीं, वह कटरीना कैफ और आलिया भट्ट के साथ जी ले जरा में नजर आने वाली हैं। आखिरी बार वह द स्काई इज पिंक में दिखाई दी थी।

हिट 2-द सेकेंड केस का ट्रेलर रिलीज

श्रद्धा मर्डर केस में उलझ गये हैं अदिवी शेष

साउथ अभिनेता अदिवी शेष स्टारर अपकमिंग फिल्म हिट 2-द सकेंड केस का जबरदस्त ट्रेलर रिलीज कर दिया गया है। फिल्म में अदिवी मर्डर मिस्ट्री में उलझे हुए नजर आ रहे हैं। ट्रेलर को दर्शकों के बीच काफी पसंद तो किया ही जा रहा है, साथ ही यह दिल्ली में हुए भयावह श्रद्धा वाल्कर हत्याकांड की याद भी दिला रहा है।

ट्रेलर में श्रद्धा नाम का उल्लेख है जो इस कहानी से लोगों को जोड़ता है। इसे एक संयोग ही कहा जा सकता है। कहानी एक साल पहले लिखी गई थी और एक सप्ताह के भीतर इस तरह की दिल दहला देने वाली वास्तविक जीवन त्रासदी के बाद फिल्म रिलीज हो रही है। बता दें कि हिट 2 डॉ. सैलेश कोलानू की फिल्म हिट का दूसरी भाग है।

ट्रेलर एक शांत पुलिस ऑफिसर, कृष्ण देव (केडी) की यात्रा की एक झलक देता है, जिसका सामना एक भयानक मर्डर मिस्ट्री से होता है। ट्रेलर में, केडी अपराधियों को पक्षी-दिमाग के रूप में मजाक उड़ाता है और फिर वह खुद को एक भीषण हत्या को हल करते हुए पाता है जिसने पूरे शहर को हिला कर रख दिया है। केडी का जीवन, प्यार, नौकरी और बाकी सब कुछ आपस में जुड़ा हुआ है। क्या केडी मामले को हल करने में सक्षम होगा? क्या वह इस जघन्य अपराध के असली अपराधी को ट्रैक कर पाएगा? इस तरह के सवालों का जवाब जानने के लिए फिल्म की रिलीज का इंतजार करना होगा।

बॉलीवुड | मसाला

2 दिसंबर को रिलीज हो रही है फिल्म

फिल्म में अदिवी शेष के साथ मुख्य भूमिका में मीनाक्षी चौधरी लीड एक्ट्रेस के तौर पर नजर आ रही हैं, जबकि राव रमेश, श्रीकांत मगंती, कोमली प्रसाद भी अहम किरदारों में नजर आएंगे। प्रशांति तिपिरनेनी फिल्म का निर्माण कर रही हैं जबकि नेचुरल स्टार नानी प्रस्तुतकर्ता हैं। सैलेश कोलानू द्वारा निर्देशित यह फिल्म 2 दिसंबर, 2022 को देशभर के सिनेमाघरों में रिलीज होने के लिए पूरी तरह तैयार है। निर्माताओं ने बुधवार को रोमांचक ट्रेलर के साथ फिल्म प्रेमियों को खुश कर दिया।

ट्रोलर्स के निशाने पर रिचा चड्ढा

रिचा चड्ढा की मुश्किलें बढ़ गई हैं। हाल ही में उन्होंने 2020 की गलवान घटना पर ट्वीट किया जिसके बाद लोग उनके खिलाफ भड़क उठे हैं। बता दें कि गलवान घाटी में चीन और भारत के बीच हुई इस लड़ाई में भारत के कई जवान शहीद हुए थे।

उत्तरी सेना के कमांडर लेफ्टिनेंट जनरल उपेंद्र द्विवेदी की स्टेटमेंट पर रिचा चड्ढा के रिएक्शन पर सारा बवाल हुआ है। बता दें कि लेफ्टिनेंट जनरल ने ट्वीट किया था कि हम पाकिस्तान के कब्जे से कश्मीर को लेने के लिए पूरी तरह तैयार हैं। बस सरकार से आदेश का इंतजार किया जा रहा है। हम जल्द ही ऑपरेशन पूरा करेंगे। अगर आदेश आने से पहले अगर पाकिस्तान सीजफायर का उल्लंघन करता है तो उत्तर अगल तरीके से दिया जाएगा जो कि उन्होंने सोचा भी नहीं होगा। ऐसे में लेफ्टिनेंट उत्तरी सेना के कमांडर लेफ्टिनेंट जनरल उपेंद्र द्विवेदी के ट्वीट पर रिचा चड्ढा ने रिप्लाई देते हुए लिखा था गलवान हाय कह रहा है। इस ट्वीट को लेकर उन पर भारतीय सेना का अपमान करने का भा आरोप लगाया गया है। सोशल मीडिया पर भाजपा नेता ने भी रिचा चड्ढा पर निशाना साधा है। भाजपा के मनजिंदर सिंह सिरसा ने ट्वीट कर रिचा चड्ढा को थर्ड ग्रेड एक्ट्रेस बताया है।

अजब-गजब | ये हैं दुनिया के सबसे छोटे बंदर

100 ग्राम तक होता है इन बंदरों का वजन पालने को खर्च करने पड़ते हैं सवा तीन लाख

दुनियाभर में लाखों-करोड़ों प्रकार के जीव-जन्तु पाए जाते हैं, इनमें से बंदर भी एक हैं। बंदरों की भी कई प्रजातियां पाई जाती हैं। ज्यादातर बंदर हमें अपने घर और मोहल्लों में ही देखने को मिल जाते हैं या फिर कहीं सफर के दौरान या किसी मदारी को इसके साथ खेल करते हुए भी देख लेते हैं। लेकिन आज हम आपको एक ऐसे बंदर के बारे में बताने जा रहे हैं जो दुनिया के सबसे छोटे बंदर माने जाते हैं जिनका वजन सिर्फ सौ ग्राम ही होता है। इन बंदरों को पालने के लिए बहुत से लोग इन्हें खरीदते हैं और इनकी कीमत इतनी होती है कि हर कोई इन्हें खरीद भी नहीं सकता।

दरअसल, पिग्मी मार्मोसेट प्रजाति के बंदरों को दुनिया का सबसे छोटा बंदर माना जाता है। ये आम बंदर जैसे बिल्कुल नहीं होते। इन बंदरों की सबसे खास बात ये होती है कि इनका आकार सिर्फ एक आलू या फिर प्याज से भी कम होता है।

बता दें कि पिग्मी मार्मोसेट प्रजाति के ये बंदर भारत में नहीं पाए जाते। ये बंदर दुनिया की चुनिंदा जगहों पर ही मिलते हैं। जानकारी के मुताबिक, बंदरों की ये प्रजाति अटलांटिक, ब्राजील, पेरू, बोलीविया, इक्वाडोर और कोलंबिया के अमेजॉन क्षेत्रों में पाई जाती है।

दुनिया के सबसे छोटे बंदर पिग्मी मार्मोसेट के सिर की लंबाई की अगर बात करें तो इनका सिर सिर्फ 117 मिलीमीटर से 152 मिलीमीटर यानी 4.6 से 6.0 इंच तक होता है। वहीं इनकी पूंछ की लंबाई 172 मिलीमीटर से 229 मिलीमीटर यानी 6.8 से 9.0 इंच तक होती है। इनके औसतन वयस्क शरीर का वजन सिर्फ 100 ग्राम तक होता है। ये इतने छोटे होते हैं की किसी इंसान की हथेली पर आराम से आ जाते हैं।

इन बंदरों की खास बात ये भी है कि ये अपने सिर को 180 डिग्री तक घुमा सकते हैं। यही नहीं अपने छोटे-छोटे पंजों के तेज नाखूनों की वजह से ये पेड़ों की शाखाओं पर मजबूत पकड़ बना लेते हैं और एक शाखा से दूसरी शाखा के बीच ये करीब 5 मीटर यानी 16 फीट तक की छलांग लगा सकते हैं।

आकार में छोटे होने की वजह से ये बंदर जंगलों में सांप और बाज जैसे दुश्मनों से अपनी रक्षा के लिए पेड़ पौधों का सहारा लेते हैं। अपने इस छोटे आकार की वजह से ही इन बंदरों का नाम गिनीज बुक ऑफ वर्ल्ड रिकॉर्ड में सबसे छोटे बंदर के नाम से दर्ज किया गया है। ये बंदर 15 से 20 साल तक जिंदा रहते हैं। वहीं जंगलों में इनका जीवन इससे भी कम होता है जिसकी वजह इनका पेड़ों पर से गिरना माना जाता है। बहुत से लोग अपने घर में इन बंदरों को पालते हैं। इन्हें खरीदने के लिए लोगों को 1000 डॉलर यानी 81 हजार रुपये से लेकर 4000 डॉलर यानी करीब सवा तीन लाख रुपये तक खर्च करने पड़ते है। ये आकार में भले ही छोटे होते हैं लेकिन ये बंदर बड़े गुस्सैल होते हैं और कई बार अपने मालिक पर भी हमला कर देते हैं।

इस देश में सरकार ने लगा दिये हैं गोलगप्पे पर प्रतिबंध

गोलगप्पे, फुल्की, बताशे, पानी-पुरी, आप चाहे जिस भी नाम से इस डिश को जानते हों पर ये होती बहुत ही स्वादिष्ट है। भारत में तो गोलप्पे इतने शौक से लोग खाते हैं कि आपको गोलगप्पे के हर ठेले पर भीड़ दिख जाएगी। कई लोग तो एक बार में कई प्लेट गोलगप्पे चट कर जाते हैं। पर क्या आप जानते हैं दुनिया में एक ऐसा भी देश है जहां की सरकार ने गोलगप्पों के बिकने पर ही प्रतिबंध लगा दिया है। क्या आप इस देश के बारे में जानते हैं? चलिए बिना पहेलियां बुझाए आपको इस देश का नाम बताते हैं। पड़ोसी देश नेपाल में गोलगप्पों पर कुछ वक्त पहले सरकार ने प्रतिबंध लगा दिया है। इसी को लेकर सोशल मीडिया साइट कोरा पर किसी ने सवाल पूछा तो लोगों ने अपनी राय रखी। कोरा एक ऐसी सोशल मीडिया वेबसाइट है जिसपर आम लोग अपने सवाल पूछते हैं और आम लोग ही जवाब देते हैं। हाल ही में किसी ने पूछा-नेपाल सरकार ने गोलगप्पे पर प्रतिबंध क्यों लगा दिया है? इसके बाद लोगों ने अपनी-अपनी राय दी और इस सवाल के जवाब दिए। जितेंद्र बाथम ने कहा-गोलगप्पे साधारण व्यक्ति के लिए सामान्य स्तर पर खुले में बनाया जाता है। सबसे ज्यादा गड़बड़ी इसके पानी में होती है। जो साफ सफाई सुरक्षा के नियम के बिना बहुत हानिकारक हो सकता है। हानिकारक बैक्टीरिया के कारण नेपाल सरकार ने इन पर प्रतिबंध लगाया है। नीरज तिवारी ने कहा-नेपाल सरकार ने गोलगप्पे पर प्रतिबंध इसलिए लगा दिया है क्योंकि काठमांडू में हैजा के केसों में बढ़ोत्तरी देखने को मिली थी। वहां के स्वास्थ्य विभाग के अधिकारियों का कहना था कि गोलगप्पे के पानी में कॉलरा का बैक्टीरिया पाए गए थे। लोगों ने तो कई तरह के जवाब दिए पर अब जान लीजिए कि वास्तविकता क्या है। बिजनेसवर्ल्ड वेबसाइट की जून की रिपोर्ट के अनुसार काठमांडू घाटी में हैजा के मामले तेजी से बढ़ रहे थे। इस वजह से ललितपुर मेट्रोपॉलेटिन सिटी ने गोलगप्पों की बिक्री पर ही रोक लगा दी। देश के स्वास्थ मंत्रालय ने लोगों से कहा है कि वो गोलगप्पे ना खाएं और अगर उनके अंदर कॉलरा के लक्षण हों तो तुरंत डॉक्टर के पास जाएं।

राजस्थान में कांग्रेस की राजनीति नई करवट लेने को तैयार, दिल्ली तक हड़कंप

» गहलोत बोले- पायलट गद्दार, उनके साथ दस विधायक तक नहीं

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

जयपुर। राजस्थान में कांग्रेस की राजनीति नई करवट लेने को तैयार है। अगले महीने राहुल गांधी की भारत जोड़ो यात्रा मध्यप्रदेश से राजस्थान में प्रवेश करने वाली है। सचिन पायलट भारत जोड़ो यात्रा में राहुल गांधी के साथ कदमताल कर रहे हैं। राजस्थान में हर दूसरे दिन कोई न कोई पायलट को मुख्यमंत्री बनाने की मांग कर देता है। ऐसे में मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने कहा कि पायलट ने गद्दारी की है। वह मुख्यमंत्री नहीं बनाए जा सकते। उन्हें तो दस विधायकों तक का समर्थन नहीं है। उन्हें कोई स्वीकार नहीं करेगा।

गहलोत ने एक इंटरव्यू में कहा कि पायलट गद्दारी कर चुके हैं। इसे मैंने और हमारे विधायकों ने भुगता है। हमें 34 दिन होटलों में रहना पड़ा। केंद्रीय गृह मंत्री अमित

शाह और धर्मेंद्र प्रधान भी इसमें शामिल थे। मैं हाईकमान के साथ हूं। पायलट को कोई स्वीकार नहीं करेगा। उन्होंने कहा कि हाईकमान राजस्थान के साथ न्याय करेगा। अजय माकन और हाईकमान को मैं अपनी दिल की बात बता चुका हूं। राजस्थान में सरकार आना जरूरी है। मैं तीन बार सीएम रह चुका हूं। मेरे लिए सीएम बने रहना जरूरी नहीं आप सर्वे करवा लीजिए। मेरे मुख्यमंत्री से सरकार बन सकती है तो मुझे इस कुर्सी पर रहा चाहिए। अगर दूसरे चेहरे से सरकार बन सकती है तो उसे जिम्मेदारी दीजिए।

इतने अनसेफ क्यों हैं गहलोत : पायलट

मुख्यमंत्री अशोक गहलोत और पूर्व डिप्टी सीएम सचिन पायलट के मतभेद एक बार फिर खुलकर सामने आए हैं। अशोक गहलोत ने कल दिन में सचिन पायलट की आलोचना करते हुए उन्हें गद्दार करार दिया था। अब सचिन पायलट ने अशोक गहलोत को इस तरह का बचकाना बयान न देने की सलाह दी है। पायलट ने कहा कि ये सारे आरोप निराधार हैं। गहलोत साहब ने पहले भी मुझे नाकारा कहा, गद्दार कहा है। अशोक गहलोत अनुभवी नेता हैं। उन्हें सलाह कौन देता है? वे इस तरह का बचकाना बयान न दें। पूर्व डिप्टी सीएम ने आगे कहा कि अशोक गहलोत के रहते पार्टी दो बार चुनाव हारी है उन्हें इतना असुरक्षित महसूस नहीं करना चाहिए और साथ मिलकर काम करना चाहिए। पूर्व डिप्टी सीएम ने कहा कि जब मैं पार्टी अध्यक्ष था तब राजस्थान में बीजेपी बुरी तरह से हारी थी। फिर भी, कांग्रेस अध्यक्ष ने गहलोत को सीएम बनने का एक

और मौका दिया। आज प्राथमिकता इस बात पर होनी चाहिए कि हम फिर से राजस्थान का चुनाव कैसे जीत सकते हैं। राहुल गांधी भारत जोड़ो यात्रा पर हैं और हम सभी को संयुक्त रूप से यात्रा को सफल बनाने की जरूरत है। बीजेपी को चुनौती देने वाली एकमात्र पार्टी कांग्रेस है। हमें सभी सत्तारूढ़ राज्यों में बीजेपी को चुनौती देने की जरूरत है।

अब्बास ने अपने पंच से जीता स्वर्ण पदक

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। मेजर ध्यान चंद स्पोर्ट्स स्टेडियम झांसी में 66वीं प्रदेशिक माध्यमिक विद्यालय मुक्केबाजी प्रतियोगिता में महानगर के छात्र अब्बास काजमी ने स्वर्ण पदक हासिल कर लखनऊ का नाम रोशन कर दिया।

अब्बास ने प्रतियोगिता में अपने पंच और बैक रिवर्स से प्रतिद्वंदी को परास्त किया। 63 से 66 किलो वर्ग की मुक्केबाजी प्रतियोगिता में लखनऊ के ला मटेरियल कॉलेज 10वीं के छात्र अब्बास काजमी ने हिस्सा लिया। प्रदेश स्तर की प्रतियोगिता में एक से एक खिलाड़ियों से प्रतिभाग किया था लेकिन अब्बास फाइनल में पहुंचे और वहां पर जीत हासिल कर स्वर्ण पदक हासिल किया। अब्बास इस सफलता पर खासे खुश हैं तथा वह आगे भी मुक्केबाजी के बड़े मुकाबलों के साथ प्रतियोगिताओं में हिस्सा लेंगे।

इंटीग्रल के छात्रों ने किया किसान गोष्ठी का आयोजन

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। किसानी एवं किसान की समस्याओं को लेकर आईसीएआर-आईआईएसआर एवं इंटीग्रल के छात्रों के संयुक्त प्रयास से पहली बार नवी कोट नंदना के कोटवा गांव में कृषि गोष्ठी का आयोजन किया गया।

बता दें कि कोटवा में ग्राम प्रधान गया प्रसाद की उपस्थिति में इंटिग्रल यूनिवर्सिटी के क्षात्र एवं क्षात्राओं द्वारा कृषि गोष्ठी का आयोजन किया गया, जिसमें यूनिवर्सिटी के प्रोफेसरों द्वारा भी प्रतिभाग किया गया और ग्राम के किसानों द्वारा भी बढ़ चढ़कर हिस्सा लिया गया। यूनिवर्सिटी के प्रोफेसर डॉक्टर फारिया फ़ातिमा एवं डॉक्टर शिप्रा यादव द्वारा केवीके के बारे में किसानों को विस्तृत जानकारी दी गयी, जिससे किसानों को कृषि से सम्बंधित तकनीकी ज्ञान की प्राप्ति हुई। बता दें कि इंटीग्रल यूनिवर्सिटी के छात्र सैय्यद शादाब अहमद, अरोमा सिंह, पलक साहू, रूपल सिंह, राजन कुमार कृषि स्नातक चतुर्थ वर्ष के छात्र हैं और कोटवा से अपना ग्रामीण कृषि कार्य अनुभव कर रहे हैं।

उत्तराखंड में विधानसभा के बर्खास्त कर्मचारी नहीं होंगे बहाल

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

देहरादून। विधानसभा में बैकडोर से भर्ती मामले में निकाले गए कर्मचारियों को हाईकोर्ट से भी झटका लगा है। चीफ जस्टिस कोर्ट ने एकलपीठ के उस आदेश को निरस्त कर दिया है, जिसमें कर्मचारियों के निलंबन आदेश पर रोक लगाते हुए उनको सीधी भर्ती से नियुक्ति नहीं होने नौकरी पर बहाल करने को कहा था।

बता दें कि विधानसभा सचिवालय ने एकलपीठ के फैसले चुनौती दी थी। दरअसल, हाई कोर्ट ने 15 अक्टूबर को निलंबन आदेश पर रोक लगा दी थी। 27 से 29 सितंबर तक अलग-अलग आदेशों में विधानसभा ने बैकडोर से भर्ती किए 228 से ज्यादा कर्मचारियों को नौकरी से निकाल दिया था. जिसको कर्मचारियों ने हाई कोर्ट में चुनौती दी थी। हाई कोर्ट ने इस आदेश पर रोक लगा दी थी। वहीं, कर्मचारी अब सुप्रीम कोर्ट में याचिका दाखिल करेंगे. अधिवक्ता अवतार सिंह ने कोर्ट को कहा अगर उल्लंघन इनके जरिए हुआ तो गलत है।

गुजरात में 109 सीटों पर रैलियां कर रहे पीएम मोदी

» मिशन 140 का लक्ष्य पाने के लिए 50 सीटों पर और ताकत झोंकने का जिक्र

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

अहमदाबाद। गुजरात में पहले चरण की वोटिंग के लिए बस आठ दिन ही बचे हैं। पहले चरण के लिए गुजरात में एक दिसंबर को वोट डाले जाएंगे। गुजरात चुनाव में बीजेपी आक्रामक चुनाव प्रचार कर रही है। गुजरात में बीजेपी ने चुनाव प्रचार में अपनी पूरी ताकत झोंक दी है। गुजरात में हर सीट पर रोज बड़े-बड़े नेता जनसभा कर रहे हैं।

जिस सीट पर बीजेपी मजबूत मानी जा रही है उस सीट पर आम आदमी पार्टी ने अपनी ताकत झोंक दी है। आप रोड शो और डोर-टू-डोर कम्पैन चला कर अपने पक्ष में माहौल बनाने में जुटी हुई है। कल बीजेपी, कांग्रेस और आप नेताओं ने 125 से अधिक सभाएं और रोड शो किए, अकेले बीजेपी ने 24 सीटों पर रैलियां की। एक मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक बीजेपी के चुनाव प्रबंधन की फीडबैक यूनिट से पिछले 15 दिन की रिपोर्ट दिल्ली पहुंची है। इसमें मिशन 140 का लक्ष्य पाने के लिए 50 सीटों पर और ताकत झोंकने का जिक्र है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने पांच दिन के तूफानी प्रचार में 16 जिलों की 109 सीट कवर करने की तैयारी की है। बीजेपी ने हाल फिलहाल में ही बागी नेताओं के खिलाफ बड़ी कार्रवाई की है। बीजेपी ने कई बागी नेताओं को बाहर का रास्ता दिखा दिया है।

माफियाओं से मुक्त संपत्ति पर गरीबों के आवास बनेंगे : मुख्यमंत्री

» सत्ता की हनक दिखाकर संपत्ति हड़पते थे, अब उनसे ब्याज सहित वसूली हो रही

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। झांसी में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि 2017 से पहले माफिया सत्ता की हनक दिखाकर गरीबों और व्यापारियों की संपत्ति हड़प लेते थे। पुलिस और प्रशासन को प्रताड़ित करते थे। आज वही पुलिस इन माफियाओं के लिए काल बन चुकी है। जिन माफिया ने अवैध तरीके से सरकारी संसाधनों को लूटा होगा। किसी गरीब या व्यापारी की संपत्ति पर कब्जा किया होगा। अगर अभी तक खाली नहीं हुआ है तो ब्याज सहित उसको खाली कराने की तैयारी चल रही है। उनकी संपत्ति को जब्त करके गरीबों के लिए आवास बनाए जाएंगे। महिला सम्प्रेषण गृह बनाएंगे।

पहला चुनाव जो कानून व्यवस्था पर लड़ा गया

योगी ने कहा कि यह पहला चुनाव था जो आजादी के बाद कानून व्यवस्था के मुद्दे पर लगा गया। जब जनता जर्नादन ठान लेती है तो वो कुछ भी कर सकती है। आज प्रदेश दंगामुक्त है। पिछले सरकारों की बदनियती, भस्मनीति परिवारवाद की नीति के कारण बुंदेलखंड बदहाल था। लेकिन अब हालत सुधर गए हैं। झांसी से एडवांस ट्रैफिक मैनेजमेंट सिस्टम शुरू हो चुका है। आज किसी चोर, उच्चके, अपराधी का दुस्साहस नहीं कि वो किसी व्यापारी या बेटी को छेड़ दे। कैमरे में एक एक चीज कैद हो रही है। संबोधन से पहले सीएम ने रिमोट का बटन दबाकर झांसी में 322 करोड़ की परियोजनाओं का शुभारंभ और शिलान्यास किया।

सीएम योगी ने कहा कि 10 से 12 फरवरी 2023 को लखनऊ में ग्लोबल इनवेस्टर समिट आयोजित होगा। अभी तक 1.25 लाख करोड़ के प्रस्ताव प्राप्त हो चुके हैं। 25 पॉलिसी तैयार की है। इसमें निवेश की संभावना के साथ सरकार का इनसेंटिव भी प्राप्त होगा। ये सब ऑनलाइन होगा। पूंजी लगाइये, आवेदन करिए। फिर सारी प्रक्रिया पोर्टल के माध्यम से आगे बढ़ेगी। उद्योग लगाने के साथ ही इनसेंटिव लेने के लिए आवेदन करें। अपने आप ऑटो मूड पर पैसा आपके खाते में पहुंच जाएगा। बीच में भ्रष्टाचार की कोई जगह नहीं है। सीएम ने कहा के 10 लाख करोड़ का निवेश का लक्ष्य रखा है। जिसमें बुंदेलखंड क्षेत्र को विशेष प्राथमिकता दी गई है।

डिंपल यादव ने किया मैनपुरी में जीत का दावा कहा-धरा रह जाएगा बीजेपी का बूथ मैनेजमेंट

» भारी जन समर्थन मिल रहा, जनता मेरे साथ

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। मैनपुरी उपचुनाव में समाजवादी पार्टी की ओर से उम्मीदवार डिंपल यादव ने चुनाव में अपनी जीत का दावा किया। मैनपुरी के कुस्मरा कस्बे में चुनाव प्रचार के लिए पहुंची डिंपल यादव ने अपनी जीत का दावा करते हुए कहा कि उन्हें यहां भारी जन समर्थन मिल रहा है। उन्होंने कहा कि जनता का समर्थन उन्हें नेताजी (मुलायम सिंह यादव) की वजह से मिल रहा है। डिंपल ने कहा कि नेताजी ने इस क्षेत्र के लोगों के लिए समर्पित होकर काम किया, जिसकी वजह से उन्हें भी इस क्षेत्र में सम्मान मिल रहा है।

बीजेपी की जीत का खंडन करते हुए उन्होंने कहा कि पिछले 6 वर्षों में इस क्षेत्र में दो पैसे का भी काम नहीं हुआ है, कहीं नई सड़कें नहीं बनी हैं, जनता यह सब देख रही है। मैनपुरी उपचुनाव में बीजेपी द्वारा बूथ मैनेजमेंट पर ज्यादा फोकस करने के सवाल पर उन्होंने कहा कि जनता का और पूरे क्षेत्र का हमें समर्थन मिल रहा है, मुझे लगता है कि

इस बार बीजेपी का सारा बूथ मैनेजमेंट धरा का धरा रह जाएगा। गौरतलब है मैनपुरी लोकसभा चुनाव में सपा प्रत्याशी डिंपल यादव के सामने बीजेपी ने रघुराज सिंह शाक्य को उतारा है। मुलायम सिंह यादव के निधन से खाली हुई ये सीट समाजवादी पार्टी का अजेय दुर्ग रहा है। इस सीट से मुलायम सिंह यादव ने 1996 में पहला चुनाव लड़ा था। उसके बाद सपा को इस सीट से कभी कोई भी हरा नहीं पाया है। मैनपुरी लोकसभा सीट पर 5 दिसंबर को मतदान होगा और नतीजे 8 दिसंबर को आएंगे।

पुलिस के जरिए चुनाव प्रभावित करने का आरोप

समाजवादी पार्टी ने आरोप लगाया है कि भाजपा मैनपुरी उपचुनाव में पुलिसकर्मियों का दुरुपयोग कर रही है। भाजपा के इशारे पर पुलिस सपा नेताओं का उत्पीड़न कर रही है। उन्होंने करहल, बरनाहल थानाध्यक्ष सहित छह इंस्पेक्टर, 13 सब इंस्पेक्टर और 100 से ज्यादा हेड कांस्टेबल को हटाने की मांग की है। इस संबंध में सपा के राष्ट्रीय सचिव राजेंद्र चौधरी, वरिष्ठ नेता केके श्रीवास्तव व राधेश्याम सिंह ने मुख्य निर्वाचन अधिकारी को ज्ञापन सौंपा।

नौजवानों और व्यापारियों पर हो रहे अत्याचार की लड़ाई लड़ रही समाजवादी पार्टी : अखिलेश

लखनऊ। पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव ने मैनपुरी लोकसभा उपचुनाव में जनसंपर्क में मतदाताओं से अपील करते हुए कहा कि समाजवादी पार्टी को भारी मतों से विजयी बनायें। यादव ने कहा है कि समाजवादी पार्टी गरीबों और किसानों की लड़ाई हमेशा से लड़ती आ रही है। नौजवानों और व्यापारियों पर हो रहे अन्याय और अत्याचार की लड़ाई समाजवादी पार्टी ही लड़ रही है। उन्होंने कहा भाजपा सरकार में महिला अपराध चरम पर है। महिलाएं सुरक्षित नहीं हैं। नौजवानों के पास रोजगार नहीं है। बेरोजगारी में यूपी नंबर वन है। अखिलेश ने कहा कि समाजवादी पार्टी की सरकार में हमने जो विकास कार्य किये थे उनको भाजपा ने बर्बाद कर दिया। भाजपा की सरकार 6 वर्ष में कोई काम नहीं किया है। वह केवल समाज में नफरत फैलाने का काम कर रही है। चुनावों में साजिश और षड्यंत्र कर भाजपा लोकतंत्र को कमजोर कर रही है। विकास कार्यों के सवाल पर भाजपा गोबर की बात करने लगती है। अखिलेश ने कहा कि भाजपा सरकार में अधिकारी निरंकुश हो गए हैं। जनता परेशान है। अधिकारी मनमानी पर उतारू हैं। यादव ने कहा कि मैनपुरी का विकास नेताजी ने किया है। मैनपुरी के लोगों ने हमेशा नेताजी का साथ दिया है। नेताजी ने मैनपुरी का सम्मान किया। मैनपुरी की जनता नेताजी को याद कर वोट डालने को तैयार है। मैनपुरी की जनता समाजवादी पार्टी को ऐतिहासिक वोटों से जीत दिलाएगी।

अब स्टेशन कंट्रोलर भी चलाएंगे मेट्रो ट्रेन

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। उत्तर प्रदेश मेट्रो रेल कारपोरेशन लिमिटेड (यूपीएमआरसी) ने मेट्रो स्टेशनों पर तैनात स्टेशन कंट्रोलरों को ट्रेन आपरेटर की ट्रेनिंग देनी शुरू कर दी है। अब स्टेशन कंट्रोलर भी मेट्रो चलाते हुए नजर आएंगे। एक माह का प्रशिक्षण ट्रांसपोर्ट नगर स्थित मेट्रो डिपो में दिया जाएगा। वर्तमान में मेट्रो चला रहे ट्रेन आपरेटर को स्टेशन कंट्रोलर का प्रशिक्षण दिया जाएगा। ट्रेन आपरेटर अब स्टेशन कंट्रोलर की जिम्मेदारी संभालने की तैयारी में हैं और स्टेशन कंट्रोलर ट्रेन आपरेटर की जिम्मेदारी संभालेंगे।

केंद्र तेलंगाना के विकास को रोक रहा : राव

» के. चंद्रशेखर राव ने बीजेपी पर फिर लगाए गंभीर आरोप

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। तेलंगाना के मुख्यमंत्री के चंद्रशेखर राव ने एक बार फिर बीजेपी पर बड़ा आरोप लगाया है। उन्होंने कहा कि केंद्र की बीजेपी सरकार द्वारा प्रगतिशील राज्य तेलंगाना पर अनावश्यक प्रतिबंध लगाये गये, जिसके कारण वित्तीय वर्ष 2022-23 के राजस्व संग्रह में 40 हजार करोड़ रुपये से अधिक की कमी आयी है।

केसीआर ने ये भी कहा कि इस तरह

के उपायों से केंद्र सरकार तेलंगाना के विकास को रोक रहा है। इससे पहले भी सीएम केसीआर ने बीजेपी पर टीआरएस के चार विधायकों की खरीद फरोख्त का आरोप लगाया था। मुख्यमंत्री के. चंद्रशेखर राव ने राज्य के लोगों को विस्तार से सूचित करने के लिए दिसंबर के महीने में एक सप्ताह के लिए विधायी सत्र आयोजित करने का निर्णय लिया है। सीएम केसीआर ने वित्त मंत्री हरीश राव और विधायी मामलों के मंत्री प्रशांत रेड्डी को इस दिशा में कदम उठाने का निर्देश दिया है। बताया जा रहा है कि एक सप्ताह के लिए आयोजित सत्र में के. चंद्रशेखर राव लोगों को विस्तार पूर्व समझाएंगे। हाल ही में मुख्यमंत्री के चंद्रशेखर राव ने दावा किया था कि उनकी पार्टी के विधायकों को बीजेपी की तरफ से रिश्वत दी गई। इस दौरान उन्होंने कहा था कि बीजेपी ने अब तक 8 सरकारें गिराई हैं और उनकी योजना सरकारें गिराने की है।

आवश्यकता है

लखनऊ के तेजी से बढ़ते हुए बहुचर्चित अखबार सांध्य दैनिक 4PM के लिये अनुभवी उपसंपादक और वीडियो एडिटर की जरूरत है।

खबरों पर तेज निगाह रखने वाले अपनी सीवी मेल करें।

daily4pm@gmail.com
sharmasanjaya.05@gmail.com

मनोज पर एफआईआर दर्ज कराएंगे सिसोदिया

बोले- रची जा रही केजरीवाल की हत्या की साजिश

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

दिल्ली। निगम चुनाव के बीच आम आदमी पार्टी (आप) ने भाजपा पर बड़ा हमला बोला है। उपमुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया का आरोप है कि गुजरात और एमसीडी में हार का अहसास होने पर भाजपा मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल की हत्या करा सकती है।

सिसोदिया का आरोप है कि पूर्व प्रदेश अध्यक्ष और सांसद मनोज तिवारी इसकी धमकी दे रहे हैं। साथ ही चेतावनी भी दी है कि मुख्यमंत्री के साथ अगर कोई अप्रिय घटना होती है तो भाजपा जिम्मेदार होगी। इससे पहले भाजपा सांसद मनोज तिवारी ने ट्वीट कर कहा कि अरविंद केजरीवाल की सुरक्षा को लेकर मैं चिंतित हूं। क्योंकि लगातार भ्रष्टाचार, टिकट बिक्री व जेल में दुराचार के आरोपी से दोस्ती व मसाज प्रकरण को लेकर आप कार्यकर्ता व जनता गुस्से में हैं। इनके एमएएल पिटे भी हैं, इसलिए दिल्ली के सीएम के साथ ऐसा ना हो... सजा न्यायालय ही दे। इसके बाद मनीष सिसोदिया ने कहा कि गुजरात और दिल्ली एमसीडी चुनाव में आप को मिल रहे जन समर्थन से भाजपा बुरी तरह से बौखला गई है। तभी भाजपा नेता पार्टी के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल को हत्या की धमकी दे रहे हैं।

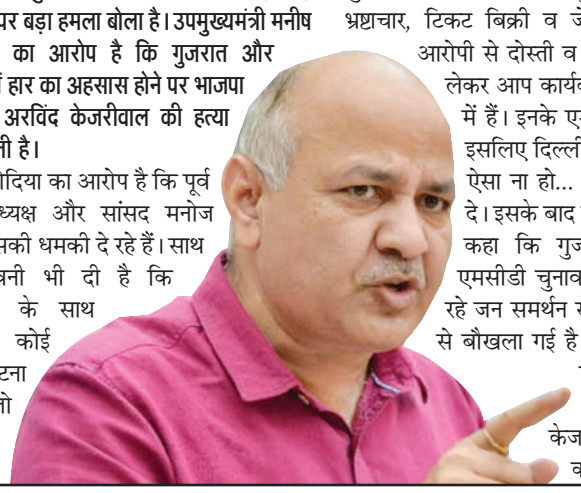

मनोज तिवारी ने आप को घेरा

भाजपा सांसद मनोज तिवारी ने आम आदमी पार्टी नेता मनीष सिसोदिया के आरोपों पर कहा कि केजरीवाल मनीष सिसोदिया को जेल भेजने की बात करते हैं, सिसोदिया हत्या की बात करते हैं। दोनों में क्या चल रहा है। ये कन्फ्यूज कर रहे हैं। इन लोगों को सड़क पर सुरक्षा देना जरूरी है। अगर इस प्रकार से कट्टर ईमानदारी की बात करने के बाद भ्रष्टाचार और टिकटों की बिक्री और लोगों को मौत के कगार तक पहुंचाने की प्रतिक्रिया आएंगी तो भारतीय जनता पार्टी चुप रह के तमाशा नहीं देख सकती। उन्होंने कहा कि मैंने सिर्फ केजरीवाल की सुरक्षा के लिए चिंता जताई थी। उनके विधायक पीटे जा रहे हैं और पार्टी के एक कार्यकर्ता की मौत हो चुकी है। मेरे लिए चिंता का विषय है। हत्या की धमकी की स्क्रिप्ट बहुत पुरानी है।

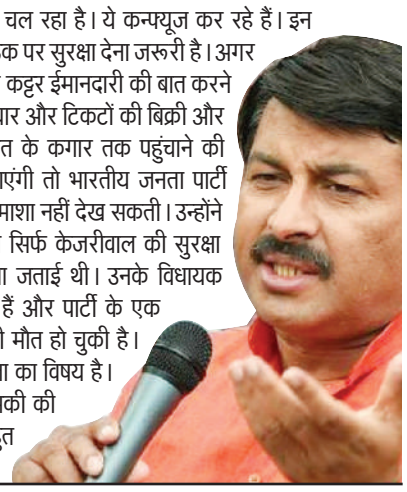

स्वामी, मुद्रक एवं प्रकाशक **बबिता चतुर्वेदी** के लिए **4पीएम** आस्था प्रिंटर्स, 5/600, विकास खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ (यूपी) से मुद्रित एवं प्रकाशित। **प्रधान संपादक**- अर्चना दयाल, **संपादक** - संजय शर्मा, **विधि सलाहकार**: सत्यप्रकाश श्रीवास्तव, मोहम्मद हैदर, **वित्तीय सलाहकार**: संदीप बंसल, **कार्टूनिस्ट**: हसन जैदी, **दूरभाष**: 0522- 4078371 | **Email**: daily4pm@gmail.com | **website**: www.4pm.co.in | **RNI-UPHIN/2015/62233** डाक पंजी. सं- SSP/LW/NP-495/2018-2020
*इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अंतर्गत उत्तरदायी। समस्त विवाद लखनऊ न्यायालय के अधीन ही होंगे।